सांध्य दैनिक
4PM

एक निराशावादी को हर अवसर में कठिनाई दिखाई देती है। एक आशावादी को हर कठिनाई में अवसर दिखाई देता है।

-विंस्टन चर्चिल

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 226 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 23 सितम्बर, 2023

भारतीय क्रिकेट टीम फिर विश्व में... 7 | 24 के चुनाव में राजनीति का केंद्र... 3 | भाजपा सांसद बोल रहे थे अमर्यादित... 2

नए संसद भवन को लेकर छिड़ा सियासी संग्राम

» जयराम रमेश बोले- मोदी मल्टीप्लेक्स तो भड़क गई भाजपा

» विपक्ष बोला- 2024 में नए संसद भवन का बेहतर उपयोग होगा

» बीजेपी का पलटवार- कांग्रेस ने दिखाई बेहद खराब मानसिकता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नए संसद भवन को लेकर भाजपा व कांग्रेस में संग्राम छिड़ गया है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि नया संसद भवन कितने प्रचार के साथ लॉन्च किया गया और यह पीएम के उद्देश्यों को अच्छी तरह से साकार करता है। कांग्रेस सांसद ने आगे कहा कि चार दिनों में ही मैंने देखा कि दोनों सदनों के अंदर बातचीत खत्म हो गई है। वहीं कांग्रेस नेता के इस बयान पर बीजेपी हमलावर हो गई है।

बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि कांग्रेस के निम्नतम स्तर के मुकाबले भी ये बेहद ही खराब मानसिकता को दिखाता है। उन्होंने इसे भारतीयों का अपमान करार दिया। जयराम ने कहा कि 2024 के बाद इसका बेहतर इस्तेमाल हो सकेगा। अभी लोकसभा में रमेश बिधूड़ी के दानिश अली पर दिए गए आपत्तिजनक बयान के बाद राजनीति गरमा हुई है। इस बीच कांग्रेस ने बिधूड़ी के बयान के साथ नए संसद भवन को लेकर पीएम मोदी पर निशाना साधा है। नए संसद के उद्घाटन से लेकर इसमें कार्यवाही शुरू होने तक कांग्रेस समेत पूरा विपक्ष पहले भी भाजपा पर हमलावर रहा है। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि पहले दोनों सदनों, सेंट्रल हॉल और गलियारों के बीच चलना आसान था और इससे संसद का संचालन भी अच्छे से होता था। उन्होंने कहा नई संसद में दोनों सदनों के बीच त्वरित समन्वय अब मुश्किल काम हो गया है। पुरानी इमारत में, यदि आप खो जाते तो रास्ता फिर से मिल जाएगा, क्योंकि यह गोलाकार था।

नए संसद को कहा जाए मोदी मल्टीप्लेक्स : जयराम

जयराम रमेश ने एक्स पर किए एक पोस्ट में पुराने संसद को नए संसद से बेहतर बताया है। नया संसद भवन कितने प्रचार के साथ लॉन्च किया गया और यह पीएम के उद्देश्यों को अच्छी तरह से साकार करता है। इसे मोदी मल्टीप्लेक्स या मोदी मैरियट कहा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि चार दिनों में ही मैंने देखा कि दोनों सदनों के अंदर बातचीत खत्म हो गई है। यदि वास्तुकला लोकतंत्र को मार सकती है, तो संविधान को दोबारा लिखे बिना ही प्रधानमंत्री पहले ही सफल हो चुके हैं।

140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं का अपमान : जेपी नड्डा

बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, कांग्रेस पार्टी के निम्नतम स्टैंडर्ड के हिसाब से भी ये दयनीय या कहें खराब मानसिकता है। ये 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं के अपमान के अलावा और कुछ नहीं ह। ये पहला मौका नहीं है, जब कांग्रेस संसद-विरोधी हुई है, उन्होंने 1975 में भी ऐसा करने की कोशिश की और इसमें वह बुरी तरह फेल हो गए। नड्डा के अलावा केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भी जयराम के इस बयान पर नाराजगी जताई।

राजवंशों के गढ़ों का मूल्यांकन करने की जरूरत : गिरिराज

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि मेरी मांग है कि पूरे भारत में राजवंशों के गढ़ों का मूल्यांकन करने की जरूरत है। शुरुआत 1, सफदरजंग रोड कॉम्पलैक्स को तुरंत भारत सरकार को सौंपने के साथ होनी चाहिए, ऐसा इस बात को ध्यान में रखते हुए होना चाहिए सभी प्रधानमंत्रियों को अब पीएम संग्रहाल में जगह दी गई है।

क्या कांग्रेस नया संसद बनाएगी : इंद्रेश कुमार

नए संसद भवन पर कांग्रेस सांसद जयराम रमेश के पोस्ट पर निशाना साधते हुए आरएसएस नेता इंद्रेश कुमार ने उनसे सवाल पूछा। इंद्रेश ने कहा कि नई संसद एक सच्चाई है और इसे कोई नहीं बदल सकता। इंद्रेश कुमार ने कांग्रेस से पूछा कि क्या जयराम नरेश यह कहना चाह रहे हैं कि वो नई संसद बनाएंगे, क्योंकि उन्होंने यह नहीं कहा कि वह पुरानी संसद में वापस जाएंगे। इंद्रेश ने इसके साथ ही सभी पार्टी नेताओं से अपील की कि वो नफरत और दुश्मनी से ऊपर उठें।

जयराम रमेश | इंद्रेश कुमार | जेपी नड्डा | गिरिराज

विशेष सत्र क्या निर्वाचित सांसदों पर हमला करने के लिए बुलाया गया था : दानिश अली

» बोले- बिधूड़ी के शब्द नफरत फैलाने वाले हैं

» दानिश अली के दादा भी रह चुके हैं सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिधूड़ी की टिप्पणी के बाद शुक्रवार को दानिश अली भावुक हो गए, उन्होंने कहा कि अगर रमेश बिधूड़ी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई तो वह अपनी संसद की सदस्यता छोड़ने पर विचार करेंगे। उन्होंने कहा कि उनको पूरी रात नींद नहीं आई, उनको लग रहा था कि जैसे उनका दिमाग फटने वाला है।

दानिश अली ने सवाल किया कि क्या संसद का विशेष सत्र निर्वाचित सांसदों पर उनके समुदाय को लेकर हमला करने के लिए बुलाया गया था। इस घटना से पूरा देश शर्मसार हो गया है, अब बीजेपी उनके खिलाफ कार्रवाई करती है या फिर उनको बढ़ावा देती है वह यह देखना चाहते हैं, बिधूड़ी के शब्द नफरत फैलाने वाले हैं, उन्होंने स्पीकर से बीजेपी सांसद के खिलाफ कार्रवाई करे की मांग की है, बता दें कि बिधूड़ी ने लोकसभा में दानिश अली के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था, जिसके बाद स्पीकर ओम बिरला ने उनको चेतावनी भी दी थी। कुंवर दानिश अली यूपी की अमरोहा लोकसभा सीट से सांसद हैं. वह 2019 में बहुमजन समाज पार्टी के टिकट पर चुनाव में खड़े हुए और बीजेपी के कंवर सिंह तंवर को 63 हजार से ज्यादा वोटों से हराया।

बीजेपी का असली रंग उजागर : मोइत्रा

तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने बीजेपी पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने पूरी पार्टी पर ही सवाल उठाते हुए कई आरोप लगाए। महुआ मोइत्रा ने कहा, समस्या बिधूड़ी नहीं है, समस्या यह है कि भाजपा ने एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाया है जहां उन्होंने ऐसी बातें खुले में कहना सामान्य बना दिया है, लोगों ने भाजपा का असली रंग देख लिया है, उन्हें शर्म आती है कि अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय को सदन में नफरत फैलाने वाले भाषण का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्हें खुशी है कि बीजेपी का असली रंग उजागर हो गया है।

दानिश के आचरण की भी जांच हो : निशिकांत

नई दिल्ली। लोकसभा में दानिश अली पर रमेश बिधूड़ी की आपत्तिजक टिप्पणी के बाद उनकी हर तरफ कडी आलोचना हो रही है। सिर्फ विपक्ष ही नहीं पार्टी के भीतर भी कोई नेता उनके बयान का समर्थव नहीं कर रहा है। अब बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने रमेश बिधूड़ी की सांप्रदायिक टिप्पणी की निंदा की है। लेकिन उन्होंने सदन के भीतर दानिश अली के आचरण की जांच की भी मांग उठाई है। रमेश बिधूड़ी की टिप्पणी सभ्य समाज के लिए भी ठीक नहीं है। लोकसभा में दिए गए उनको बयान को सभ्य समाज स्वीकार नहीं कर सकता।

भाजपा का बेशर्म प्रदर्शन : अखिलेश

» बोले- इंसान की पहचान चेहरा नहीं, बल्कि जबान होती है

» जनहित के कार्यों को बर्बाद कर रही भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बसपा सांसद दानिश अली के खिलाफ सत्ता पक्ष के सांसद रमेश बिधूड़ी के अभद्र भाषा के प्रयोग पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इंसान की पहचान चेहरा नहीं, बल्कि उनकी जबान होती है। अल्पसंख्यक सांसद को अति अभद्र तरीके से संबोधित करना किसी आपराधिक घटना से कम नहीं है। उन्होंने एक्स के जरिये कहा कि ये भाजपा की नकारात्मक राजनीति का निकृष्टतम रूप है, जिसमें अन्य भाजपाई सांसदों का हंसते हुए सम्मिलित होना दिखाता है कि ये किसी एक भाजपाई की गलती नहीं है, बल्कि ये भाजपा के अधिकांश सदस्यों की निर्लज्जता का बेशर्म प्रदर्शन है। ऐसे सासंदो पर, किसी भी प्रकार की संसदीय विशेषाधिकारों की छूट से परे पूरे संसद और संविधान की मानहानि करने का मुकदमा होना चाहिए।

उन पर ताउम्र की पाबंदी भी लगाई जानी चाहिए। प्रदेश में व्यवस्था चरमरा गई है। उन्होंने कहा कि फतेहपुर सीकरी में फ्रांसीसी पर्यटक की मौत एंबुलेंस उपलब्ध न होने से हो गई, जो दुखद है। इससे उत्तर प्रदेश की छवि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तार-तार हो गई है। बुंदेलखंड के जिला अस्पतालों में एंबुलेंस सेवा वेंटिलेटर पर है। कई जगहों पर इसका प्रयोग वीआईपी ड्यूटी और अस्पताल का सामान ढोने में हो रहा है। गुरुवार को मलिहाबाद के फिरोजपुर गांव के रहने वाले बच्चे की तबीयत बिगड़ने पर दो घंटे बाद एंबुलेंस मिली। बच्चे ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। अब जनता लोकसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर करके ही दम लेगी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार ने सपा सरकार के जनहित के कामों को बर्बाद कर जनता को उसके रहमोकरम पर छोड़ दिया है। लोगों को समय से इलाज न मिल पाने के कारण असामयिक मौतें हो रही हैं। एंबुलेंस सेवा की बदहाली की वजह से एक विदेशी मेहमान की मौत दुनिया भर में बदनामी का कारण हो सकती है।

सपा शिक्षक सभा के जिलाध्यक्षों की सूची जारी

समाजवादी शिक्षक सभा के जिला व महानगर अध्यक्षों और प्रदेश कार्यकारिणी की सूची जारी कर दी गई। लखनऊ से अवधेश सिंह यादव, नरेन्द्र सिंह यादव, उन्नाव से आशुतोष वर्मा, गोरखपुर में सुभाष चंद्र नायक और अयोध्या से प्रशांत कुमार प्रजापति को सचिव बनाया गया है। शिक्षक सभा में डॉ. जितेन्द्र मौर्या को बहराइच और बाबूराम कोरी को महासचिव, सुनील चौरसिया अमेठी की जिम्मेदारी अध्यक्ष के रूप में दी गई है। समाजवादी सैनिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्षों की सूची प्रदेश अध्यक्ष शरद शरन ने शनिवार को जारी कर दी। लाल साहब को लखनऊ महानगर, रवीन्द्र नाथ वाराणसी, जियालाल अमेठी, विजय कुमार लखनऊ, चंद्रभान यादव गोरखपुर के अध्यक्ष बनाए गए हैं। समाजवादी बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी के जिलाध्यक्षों की सूची प्रदेश अध्यक्ष संतोष कुमार जाटव ने जारी की। नत्थू लाल सोनकर को वाराणसी, पेशकार राव को बहराइच, कृष्णा चौधरी को अयोध्या, मोहम्मद आजाद को कानपुर की जिम्मेदारी दी गई। समाजवादी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह भुर्जी ने प्रदेश की पदाधिकारियों की सूची जारी की। लखनऊ के दिव्य रतन, आजमगढ़ के संजय लाल यादव को प्रदेश सचिव बनाया गया। लखनऊ के जितेन्द्र कुमार और कानपुर से राहुल खरे को प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया।

सपा ने मांगी 65 और कांग्रेस ने 40 लोकसभा सीटें

यूपी में इंडिया गठबंधन के तहत सपा ने 65 और कांग्रेस ने 45 सीटों पर दावा ठोंका है। जबकि, कुल सीटें 80 ही हैं। सीटों की साझेदारी के लिए इंडिया की समन्वय समिति राज्यवार बैठक करेगी। हालांकि, इस बारे में अंतिम निर्णय तभी हो पाएगा, जब घटक दलों का शीर्ष नेतृत्व साथ बैठेगा। इंडिया गठबंधन में अब सबसे अहम मुद्दा सीटों का बंटवारा ही है। सपा जहां पांच राज्यों के चुनावों में गठबंधन के तहत सीटें चाहती है, वहीं लोकसभा सीटों के महेनजर भी होमवर्क प्रारंभ हो गया है। अभी यूपी में सपा के पास तीन और कांग्रेस के पास एक लोकसभा सीट है। सपा ने फिलहाल 60-65 सीटों पर लड़ने का इरादा जाहिर किया है। वहीं, दावा करने में कांग्रेस भी पीछे नहीं है। इंडिया गठबंधन का मानना है कि हर राज्य की परिस्तिथितियां अलग-अलग हैं। इसलिए राज्यवार बैठक करके ही सीटों की बंटवारे की गुत्थियां सुलझाई जा सकती हैं। ये बैठकें करके सभी घटक दलों के शीर्ष नेतृत्व के सामने विचार के लिए राज्यवार प्रस्ताव रखे जाएंगे।

मोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि

अखिलेश यादव ने राजधानी स्थित पार्टी मुख्यालय में वरिष्ठ समाजवादी नेता एवं पूर्व मंत्री मोहन सिंह की 10वीं पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन भेंट किए। उल्लेखनीय है कि मोहन सिंह तीन बार सांसद निर्वाचित हुए थे। उन्हें सर्वश्रेष्ठ सांसद का सम्मान भी मिला था। इस अवसर पर पूर्व मंत्री अवधेश प्रसाद, राजेंद्र चौधरी, पूर्व सांसद अरविंद कुमार सिंह व विधायक कमाल अख्तर आदि उपस्थित थे।

बिधूड़ी पर हो सख्त कार्रवाई : मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि संसद में अपशब्द बोलने वाले भाजपा नेता पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उत्तर प्रदेश की पूर्व सीएम ने भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी द्वारा सदन में बसपा सांसद दानिश अली को अपशब्द कहने पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि भाजपा सांसद द्वारा बसपा सांसद दानिश अली के खिलाफ सदन में आपत्तिजनक टिप्पणी को स्पीकर ने रिकार्ड से हटाकर उन्हें चेतावनी दी है। सरकार के वरिष्ठ मंत्री ने सदन में माफी भी मांगी है।

हालांकि पार्टी द्वारा उनके विरुद्ध अभी तक समुचित कार्रवाई नहीं करना दुर्भाग्यपूर्ण है। वहीं महिला आरक्षण बिल में देश की आबादी के बहुसंख्यक ओबीसी समाज की महिलाओं को आरक्षण में शामिल नहीं करना बहुजन समाज के बड़े वर्ग को न्याय से वंचित रखना है। इसी तरह एससी-एसटी समाज की महिलाओं को अलग से आरक्षण नहीं देना भी अनुचित व सामाजिक न्याय की मान्यता को नकारना है। उन्होंने कहा कि सरकार ओबीसी समाज को महिला आरक्षण बिल में शामिल करे और एससी-एसटी वर्ग की महिलाओं को अलग से आरक्षण दे। साथ ही, इस विधेयक को तत्काल प्रभाव से लागू करने के सभी जरूरी उपाय करे।

भाजपा सांसद बोल रहे थे अमर्यादित बोल बड़े नेता हंस रहे थे : आप

» आम आदमी पार्टी ने केंद्र सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा के सांसद रमेश बिधूड़ी ने लोकसभा में बसपा के सांसद दानिश अली के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल किया। इस पर आम आदमी पार्टी ने भाजपा पर हमला बोला है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आम आदमी पार्टी ने भाजपा को घेरा है।

आम आदमी पार्टी ने कहा कि जब रमेश बिधूड़ी अपशब्दों का इस्तेमाल कर रहे थे तो दिल्ली से भाजपा के दूसरे सांसद हर्षवर्धन जोर-जोर से हंस रहे हैं। दरअसल, चंद्रयान -3 की सफलता पर रमेश बिधूड़ी बोल रहे थे। इसी बीच बसपा सांसद दानिश अली ने टिप्पणी की। जिसके बाद भड़के भाजपा सांसद ने बसपा सांसद के खिलाफ आपत्तिजनक और असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल किया।

मेरी छवि खराब करने की कोशिश : हर्षवर्धन

डॉक्टर हर्षवर्धन ने अपनी सफाई देते हुए कहा कि लोगों ने मुझे इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में घसीटा जा रहा है। दो सांसद सदन में एक-दूसरे के खिलाफ असंसदीय भाषा का इस्तेमाल कर रहे थे। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह पहले ही दोनों पक्षों द्वारा ऐसी अनुचित भाषा के प्रयोग की निंदा कर चुके हैं। मैं अपने मुस्लिम दोस्तों से पूछता हूं जो आज सोशल मीडिया पर मेरे खिलाफ लिख रहे हैं, क्या वे वास्तव में मानते हैं कि मैं कभी भी ऐसी अपमानजनक भाषा के इस्तेमाल में भागीदार बन सकता था, जो किसी एक समुदाय की संवेदनाओं को ठेस पहुंचाती है? मेरी छवि खराब करने के लिए ऐसा किया जा रहा है। तीस वर्षों के सार्वजनिक जीवन में, मैंने अपने निर्वाचन क्षेत्र के लाखों मुस्लिम भाइयों और बहनों के साथ-साथ जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के सहयोगियों के साथ मिलकर काम किया है। मैंने ट्विटर पर अपना नाम ट्रेंड होते देखा है, जहां लोगों ने मुझे इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में बेवजह घसीटा है, जहां दो सांसद सदन में एक-दूसरे के खिलाफ असंसदीय भाषा का इस्तेमाल कर रहे थे।

संजय गांधी अस्पताल पर कार्रवाई चिंताजनक

» सांसद वरुण ने ब्रजेश पाठक को लिखा पत्र

» बोले- ये मेरे पिता के नाम पर है, तुरंत खोला जाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अमेठी के संजय गांधी अस्पताल के लाइसेंस को निलंबित करने के मामले में विवाद बढ़ता जा रहा है। वरुण गांधी ने अस्पताल खोलने के लिए उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को पत्र लिखा है। यह हॉस्पिटल वरुण गांधी के पिता के नाम है। उन्होंने अस्पताल पर हुई कार्रवाई पर चिंता व्यक्त की है। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री व उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि यह एक गंभीर मामला है।

अस्पताल की लापरवाही के कारण एक बेटी की जान चली गई। स्थानीय स्तर की टीम की जांच के बाद यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि हम पूरे प्रदेश के अस्पतालों को रेगुलराइज कर रहे हैं। लापरवाही के कारण मरीजों की जान लेने वाले अस्पतालों को बख्शा नहीं जाएगा। कड़ी कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि मुंसीगंज स्थित संजय गांधी अस्पताल में कोतवाली क्षेत्र मुसाफिरखाना के गांव राम शाहपुर निवासी अनुज शुक्ला की पत्नी दिव्या शुक्ला की मौत के मामले में संजय गांधी अस्पताल का लाइसेंस निलंबित कर सभी सेवाओं पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसे लेकर कर्मचारी संघ के अध्यक्ष संजय सिंह की अगुवाई में कर्मचारियों ने अस्पताल परिसर में नारेबाजी की। कर्मियों ने निलंबन समाप्त करने की मांग की है। कलेक्ट्रेट पहुंचकर संघ ने डीएम को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को दिया। कहा है कि संजय गांधी अस्पताल में वह बीते 35 वर्षों से कार्यरत हैं। अस्पताल पर कार्रवाई से यहां के कर्मचारियों की आजीविका पर संकट पैदा हो गया है।

अजय राय ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

इस संबंध में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में कांग्रेस अध्यक्ष ने पूर्व मंत्री अजय राय ने कहा कि मरीज की मौत मामले की कमेटी बनाकर जांच कराई जाए। लेकिन अस्पताल में मरीजों का उपचार नहीं रोका जाना चाहिए। उन्होंने अस्पताल के पंजीकरण के निरस्तीकरण आदेश को तत्काल वापस लेने की मांग की है। बताया कि अस्पताल कई दशक से स्थानीय और आसपास के जनपदों के लोगों को न्यूनतम शुल्क पर बिना लाभ के स्वास्थ्य सुविधाएं दे रहा है।

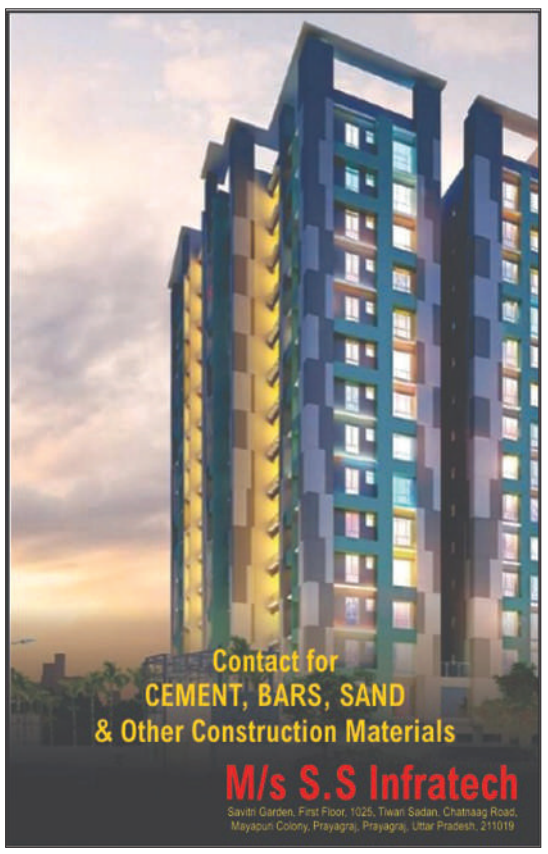

24 के चुनाव में राजनीति का केंद्र बनेगा सनातन !

» कांग्रेस बोली- सभी धर्मों का सम्मान जरूरी

» बीजेपी की कोशिश जनहित के मुद्दे नहीं, धर्म बने मुद्दा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वर्तमान समय में पूरे देश की राजनीति का केंद्र सिर्फ और सिर्फ सनातन धर्म बन चुका है। भारतीय जनता पार्टी जहां एक ओर भारत में सनातन धर्म को आगे रखकर सता चलाना चाहती है, तो वहीं दूसरी ओर भाजपा के विपक्ष में खड़ी कई पार्टियां सर्वधर्मसंभाव की बात कर सत्ता पाना चाहती हैं। आगे क्या होगा ये तो 2024 चुनावों के बाद पता चलेगा। पर अभी जो देश में माहौल है उससे तो यही लगता है सनातन मुद्दा चुनावी मुद्दा बनेगा।

हालांकि बीजेपी पहले से ही इसी मुद्दे पर विपक्ष को घेरती रहती है। पर उदयनिधि स्टालिन, जगदानंद सिंह, व स्वामी प्रसाद मौर्य जैसे नेता बीच-बीच में सनातन को गाली देकर बीजेपी को बैठे बैठाये मुद्दा दे देते हैं। उसके बाद बीजेपी सारे जनहित के मुद्दों को किनारे करके सनातन का राग अलापने लगती है जो उसके लिए लाभदायक है। कुछ नेता तो ऐसा लगता है कि जानबूझकर चाहते है ऐसे मुद्दे जिंदा रहें ताकि वो इसका लाभ बहुसंख्यक वर्ग की भावनाओं को भड़का चुनावों के दौरान उठा सके। दक्षिण के नेताओं द्वारा बार-बार सनातन पर हमला बोलना एक रणनीति के तहत किया जा रहा है। जानकारों का मानना है कि जबसे तमिलनाडु में करुणानिधि व जयललिता निधन हुआ है वहां पर द्रविड़ राजनीति में पराभाव आना शुरू हो गया है। इस रिक्त हुए स्थान पर भाजपा व कांग्रेस तेजी से पैठ बनाने में लगी है इससे वहां की क्षेत्रीय द्रविड़ पार्टियों को नुकसान हो रहा इसलिए वह सनातन को कोसने का कोई मौका नहीं छोड़ना चाहती हैं।

दक्षिण भारत के नेता बार-बार उठा रहे मुद्दा

भाजपा पूरे विपक्ष पर हमलावर

जो सनातन के खिलाफ वो भारत के भी खिलाफ : आचार्य कृष्णम

प्रियंका गांधी के राजनीतिक सलाहकार आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा, जो सनातन के खिलाफ है, वो भारत के भी खिलाफ है, क्योंकि सनातन के बिना भारत की कल्पना नहीं की जा सकती है। कहा, जो सनातन का नहीं है, वह भारत का भी नहीं है। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने डीएमके और समाजवादी पार्टी के नेताओं की ओर से सनातन पर लगातार किए जा रहे हमलों पर कहा, सनातन के खिलाफ बोलने वाले रावण के वशंज हैं, इनका सर्वनाश सुनिश्चित है, इसलिए, मैं इंडिया गठबंधन के तमाम वरिष्ठ नेताओं से अपील करना चाहता हूं कि सनातन धर्म के खिलाफ बोलने वाले रानीतिक नेताओं और राजनीतिक दलों को गठबंधन से बाहर कर देना चाहिए। उन्होंने कहा, अब यह फैसला लेने का समय आ गया है कि आप सनातन विरोधियों के साथ खड़े हैं, या सनातन के साथ खड़े हैं। यूपी में समाजवादी पार्टी को भी यह फैसला लेना पड़ेगा कि वह सनातन के साथ है, रामायण, रामचरित्र मानस के साथ है, भगवान राम के साथ है या भगवान राम और रामचरित्र मानस को गाली देने वालों साथ हैं। वरना, 2024 के लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को नुकसान भुगतना पड़ेगा। उन्होंने आश्रम में भारत साधु समाज के संतों से भी मुलाकात की।

धार्मिक संतों की मांग-राजनीति में मिले 5 प्रतिशत आरक्षण

ऐसे में उज्जैन के संत डॉ. अवधेशपुरी महाराज ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ सरसंघचालक मोहन भागवत को एक पत्र लिखकर यह अनोखी मांग कर डाली है कि देश में सनातन धर्म की परिकल्पना तभी पूर्ण हो सकती है, जब देश में राष्ट्रवाद, धर्म विरोधी ताकतों को पराजित किया जा सके और यह तभी संभव है, जब भाजपा सनातन धर्म को बढ़ावा देने के साथ ही आरएसएस, विश्व हिन्दू परिषद व भाजपा का समर्थन देने वाले योग्य, अनुभवी व सक्रिय सन्तों को कम से कम पांच प्रतिशत धार्मिक सीटों से चुनाव मैदान में उतारे। इससे न केवल आपकी जीत सुनिश्चित होगी, बल्कि भाजपा की धार्मिक छवि मजबूत होने के साथ ही राजनीति राजधर्म बन जाएगी। इस पत्र में एक कुशल शासक के रूप में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी उदाहरण दिया गया है, जिन्होंने पूरे विश्व पटल पर अपनी एक अलग ही पहचान बनाई है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ सरसंघचालक मोहन भागवत को भेजे गए इस पत्र की प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, देश के गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को भी भेजी गई है। पत्र के बारे मे अवधेशपुरी महाराज ने बताया कि देश की राजनीति को अब राजधर्म बनाने की आवश्यकता है। भाजपा एक धार्मिक पार्टी है और संतों ने हमेशा भाजपा को न सिर्फ समर्थन दिया है बल्कि पार्टी के लिए प्रचार भी किया है। ऐसी स्थिति में अगर भाजपा अपनी जीत सुनिश्चित करना चाहती है तो धार्मिक संतों को पार्टी की मूलधारा से जोड़ना चाहिए। आपने बताया कि ऐसे संतों को प्रत्येक प्रदेश में चुनाव का टिकट देकर पार्टी की मूल भावना से जोड़ा जाना चाहिए, क्योंकि इससे जो संत राजनीति में रुचि रखते होंगे वह अपनी पूरी क्षमता से प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। पत्र में बताया गया है कि देश में किसी भी पद पर ना होकर भी विद्वान संत, महापुरुष हमेशा ही हिंदू राष्ट्र की मांग करते रहे हैं, लेकिन जब इन लोगों को पार्टी की मुख्य धारा से जोड़ा जाएगा, तो ऐसे लोग हिंदू राष्ट्र की संकल्पना को पूरा करने में और भी मददगार साबित होंगे। पत्र में वाल्मीकि रामायण, महाभारत और अन्य कई ग्रंथों के उदाहरण भी पेश किए गए हैं, जिससे इस बार धार्मिक सीटों से साधु संतों को मौका देकर न सिर्फ पार्टी अपनी जीत सुनिश्चित कर लें बल्कि देश की राजनीति को राजधर्म में तब्दील कर ले, जिससे कि सनातन धर्म के विरोध में सोचने वाली विपक्षी पार्टियां किसी भी तरीके से अपनी योजनाओं में सफल ना हो सकें।

उदयनिधि व 14 अन्य को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

सनातन धर्म पर टिप्पणी के लिए उदयनिदी स्टालिन, 14 अन्य को सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी किया है। अपनी टिप्पणियों में उदयनिधि स्टालिन, जो तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे हैं। उन्होंने लोगों के बीच विभाजन और भेदभाव को बढ़ावा देने के लिए सनातन धर्म को दोषी ठहराया था और इसके उन्मूलन का आह्वान किया था। बता दें कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि, सनातन धर्म पर अपनी टिप्पणी के बाद विवादों में हैं। उन्होंने इसकी तुलना डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों से की और इसके उन्मूलन की मांग की थी। तमिलनाडु प्रोग्रेसिव राइटर्स एंड आर्टिस्ट एसोसिएशन की एक बैठक को संबोधित करते हुए उदयनिधि ने कहा कि सनातन समानता और सामाजिक न्याय के खिलाफ है। युवा मंत्री ने आरोप लगाया कि सनातन ने लोगों को जाति के आधार पर बांटा है। उन्होंने तर्क दिया कि यह तर्क स्वाभाविक रूप से प्रतिगामी है, लोगों को जाति और लिंग के आधार पर विभाजित करता है और मूल रूप से समानता और सामाजिक न्याय का विरोध करता है। दरअसल इन्हें भाजपा का विरोध करना है, जो सनातन के सहारे अपनी जड़ें लगातार मजबूत करती रही है और लगातार 9 साल से सत्ता पर काबिज है।

लोस चुनावों के लिए अहम है भागवत का उप्र दौरा

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) लोकसभा चुनाव के मद्देनजर उत्तर प्रदेश में सक्रिय हो गया है। आरएसएस की कार्यशैली से कोई अनभिज्ञ नहीं है। आरएसएस अपनी विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए सीधे तौर पर तो राजनीति में नहीं उतरता है, लेकिन उस नेता और पार्टी का समर्थन करने में उसे जरा भी गुरेज नहीं होता है जो उसकी विचारधारा को मानते हैं और उसे आगे ले जाने के संघ के प्रयास का हिस्सा बनते हैं। प्रत्येक चुनाव से पूर्व आरएसएस की सक्रियता बढ़ जाती है, यह स्वाभाविक तौर पर देखा गया है, लेकिन पहले और आज में विशेष अंतर यह नजर आ रहा है कि अबकी से संघ पर्दे के पीछे से नहीं खुलेआम इस बात की घोषणा कर रहा है कि संघ ने लोकसभा चुनाव में अपनी भूमिका तय कर ली है। लोकसभा चुनावों से पहले संघ गांव-गांव अपनी पहुंच बढ़ाने में जुट गया है। जब पूरा देश श्री गणेश उत्सव मना रहा होगा तब संघ प्रमुख मोहन भागवत 22 से 24 सितंबर तक लखनऊ में डेरा डाले होंगे। इससे पहले 19-20 सितंबर को भाजपा और संघ के बीच समन्वय बैठक में चुनाव की तैयारियों को लेकर मंथन होगा। इस बैठक में सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सह सरकार्यवाह अरुण कुमार की उपस्थित रहेंगे। आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत का चुनाव से पहले होने वाला दौरा अहम है। इससे पहले सर कार्यवाह और सह सरकार्यवाह भी आएंगे। दरअसल, संघ की योजना 2024 के चुनाव से पहले सियासी नब्ज भांपने के साथ अगली तैयारी में जुट जाने की है।

दरअसल, भले ही सीधे तौर पर राजनीतिक बातें नहीं करता है, लेकिन संघ के कोर एजेंडे भाजपा के लिए सियासी जमीन तैयार करते हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले इसी वजह से संघ प्रमुख मोहन भागवत और सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले का दौरा अहम माना जा रहा है। संघ अपनी हिंदुत्व की विचारधारा को खासतौर पर दलितों और आदिवासियों के बीच पहुंचाने की तैयारी में जुटा है, जहां अब तक उसकी बात नहीं पहुंच सकी है। दलित बस्तियों में सामाजिक समरसता के कार्यक्रम और भोज भी इसी का हिस्सा हैं। इसके अलावा संघ गांवों में अपनी विचारधारा का विस्तार कर रहा है, ताकि जिन गांवों तक उसकी बात नहीं पहुंच सकी है, वहां भी माहौल बनाया जा सके।

नेताओं के सपनों में आ रहे भगवान राम, कृष्ण व हनुमान

यह मनोवैज्ञानिक तथ्य है कि सपने में वही चीजें दिखती हैं, जो जाग्रत अवस्था में आदमी के जेहन में होती हैं। इन दिनों नेता सपने देखने लगे हैं। सपने में वे मंत्री या मुख्यमंत्री बन गए या सांसद-विधायक बने, यह भी देखते होंगे, पर कभी जाहिर नहीं करते। हां, देवी-देवता उनके सपने में आएं तो इसका बखान खूब करते हैं। देवी-देवता सपने में आते हैं या नहीं, पर जिस अंदाज में उन्हें नीचा दिखाने का अजकल प्रचलन बढ़ा है, उसकी अभिव्यक्ति का यह दूसरा माध्यम भी हो सकता है। कभी व्यंग्यात्मक अंदाज में तो कभी सनसनीखेज शैली में। हाल के दिनों में बिहार के कुछ नेताओं के सपने में राम और कृष्ण आने लगे हैं। बिहार के शिक्षा मंत्री हैं प्रो. चंद्रशेखर, जो अपने विवादित बयानों के लिए मशहूर हो गए हैं। उनकी पार्टी आरजेडी में आलाकमान की ही चलती रही है, लेकिन ये आलाकमान से भी ऊपर उठ गए हैं। पहले वे अपने ज्ञान के आधार पर रामचरित मानस को नफरती ग्रंथ बताते थे। अब तो रामचरित मानस के नायक राम भी उनके सपने में आकर मदद मांगने लगे हैं। अक्सर आदमी को राम-कृष्ण जैसे आराध्य से लोगों को गुहार लगाते सबने देखा या सुना होगा, लेकिन चंद्रशेखर बताते हैं कि सपने में राम ने ही उनसे मदद की गुहार लगाई। उन्होंने चंद्रशेखर से चिरौरी की कि उन्हें बिकने से बचा लें। बकौल चंद्रशेखर, राम ने उनसे कहा- मुझे कुछ लोग बेचने पर तुले हुए हैं। और इसके साथ ही राम को बचाने का चंद्रशेखर ने अभियान छेड़ दिया है। चंद्रशेखर ने जब अपने सपने की बात सार्वजनिक कर दी तो उनकी विरोधी पार्टी यानी बीजेपी के नेता भी सच्चाई जानने के लिए सपने में राम की तलाश करने लगे। हालांकि उन्हें राम तो नहीं दिखे, लेकिन कृष्ण जरूर नजर आ गए। भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री नीरज कुमार सिंह बबलू ने कहा कि उनके सपने में तो भगवान कृष्ण ही पहुंच गए थे। भगवान कृष्ण ने सपने में उनसे कहा कि तुम्हारा पड़ोसी चंद्रशेखर पागल हो गया है। कृष्ण ने उनके इलाज का बबलू से आग्रह किया। दरअसल चंद्रशेखर के ही तर्ज पर बबलू का भी बयान था। उन्होंने कहा भी कि जब से चंद्रशेखर मंत्री बने हैं, तब से उनका नाता विवादों से बढ़ गया है। विवादित बयान दिए बिना उनके पेट का खाना नहीं पचता है।

आश्चर्य यह कि हिन्दुओं के सारे देवी-देवता अब ऐसे नेताओं को ही दर्शन देते हैं, जिन्हें उनमें बुराई दिखती है तो अच्छाई भी। आम आदमी की नजर में भगवान का दर्जा हासिल कर चुके ये देवता आश्चर्यजनक रूप से इन नेताओं के सामने याचक के रूप में ही प्रकट होते हैं। यानी प्रो. चंद्रशेखर हो या बबलू, उनसे अधिक ताकतवर हो गए हैं। एक से राम अपने को बिकने से बचाने का आग्रह करते हैं तो दूसरे से पड़ोसी के इलाज की याचना करते हैं। बिहार के एक मंत्री तेजप्रताप तो बजरंग बली की चर्चा भी करते हैं। वे कहते हैं कि कर्नाटक में जिस तरह बजरंग बली का नाम भुनाने वालों का हाल बजरंग बली ने किया, उसी तरह का अंजाम बिहार समेत दूसरे राज्यों में भी इनका होगा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

अक्षम्य है इस तरह का अमर्यादित आचरण

“ सभी विपक्षी पार्टियां बीजेपी पर हमलावर हो गई हैं। यहां तक कि लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने भी इस टिप्पणी पर आपत्ति जताई है, मुद्दे पर कांग्रेस ने कहा,बीजेपी सांसद रमेश बिधूड़ी का बयान निंदनीय है, ये सिर्फ दानिश अली का नहीं बल्कि पूरी संसद का अपमान है,नई संसद की शुरुआत इस तरह की अर्यादित भाषा के साथ हुई, पीएम मोदी क्या आपने ये बयान सुना? बिधूड़ी की भाषा ही बीजेपी की भाषा है।

राजनैतिक विचार में असहमति होना कोई बात नहीं होती है। जरूरी नहीं है आप किसी विचार को जबरदस्ती माने । पर कटुता राजनीति के लिए सर्वदा अनुचित है। अगर आम आदमी को असंसदीय या गाली-गलौज करे वो समझा जा सकता है पर जब एक ऐसा व्यक्ति जिसके ऊपर कानून बनाने की जिम्मेदारी हो, उसे वह पावर उसकी लोक सभा के लोगों ने दी हो उसके द्वारा लोकतंत्र के मंदिर में ऐसी भाषा का प्रयोग किया जाए जो अमर्यादित है वो किसी भी तरह से जायज नहीं ठहराया जा सकता। सबसे बड़ी शर्मनाक तो ये है ये अभद्र भाषा उस संसद में कही गई अभी दो दिन पहले ही प्रयोग में लाना शुरू किया गया है। दरअसल, भाजपा के सांसद रमेश बिधूड़ी ने लोकसभा में बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) सांसद दानिश अली को गाली के साथ अभ्रदता की है उसकी जितनी भर्त्सना की जाए कम है। उनके इस अमर्यादित कृत्य पर जहां लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कड़ी फटकार लगाई है वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिं ने माफी मांगी है। इस तरह के अमर्यादित आचरण पर विपक्ष ने भ्सी बिधूड़ी पर हमला बोला हैं विपक्ष ने लोकसभाध्यक्ष से सख्त कार्रवाई की मांग की है। उधर दिल्ली से बीजेपी सांसद रमेश बिधूड़ी की अमर्यादित टिप्पणी पर जमकर हंगामा हो रहा है। सभी विपक्षी पार्टियां बीजेपी पर हमलावर हो गई हैं। यहां तक कि लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने भी इस टिप्पणी पर आपत्ति जताई है, मुद्दे पर कांग्रेस ने कहा,बीजेपी सांसद रमेश बिदूड़ी का बयान निंदनीय है, ये सिर्फ दानिश अली का नहीं बल्कि पूरी संसद का अपमान है,नई संसद की शुरुआत इस तरह की अर्यादित भाषा के साथ हुई, पीएम मोदी क्या आपने ये बयान सुना? बिधूड़ी की भाषा ही बीजेपी की भाषा है। इस मामले पर एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने बीजेपी पर तंज कसा है। ओवैसी ने कहा है कि बीजेपी सांसद के वायरल वीडियो में चौंकाने वाला कुछ नहीं है। भाजपा एक अथाह खाई है, इसलिए हर दिन एक नया निचला स्तर मिल जाता है,भरोसा है कि इसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं संभावना है कि आगे इसे भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष बनाया जाएगा। वहीं, आप सांसद संजय सिंह ने कहा, पीएम मोदी क्या आपके साथ संसद में आतंकवादी बैठते हैं? क्या आरएसएस में यही भाषा और संस्कार सिखाए जाते हैं? अब इस गाली-गलौज करने वाले सांसद के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाएगी?। दरअसल संसद के विशेष सत्र के दौरान लोकसभा में रमेश बिधूड़ी बीते दिन गुरुवार (21 सितंबर) महिला आरक्षण बिल पर बोल रहे थे, इसी दौरान दानिश अली ने टोक दिया,इस पर रमेश बिधूड़ी अपना आपा खो बैठे और उन्हें अपशब्द कहने लगे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बाकी हैं अभी क्रियान्वयन के कई सवाल

जयसिंह रावत

महिलाओं को लोकसभा और दिल्ली समेत राज्य विधानसभाओं में एक-तिहाई सीटें आरक्षित करने का मामला कानून बनने के बेहद करीब पहुंच गया है। संवैधानिक प्रक्रिया के तहत अभी 50 प्रतिशत राज्य विधानसभाओं की सहमति लेने के लिये सभी विधानसभाओं में भी जाना है जो कि अब महज एक औपचारिकता ही रह गयी है। लेकिन इसमें कुछ सवाल अभी भी बाकी हैं। पहला सवाल तो यह है कि यह कानून कब लागू होगा? और दूसरा सवाल यह कि क्या यह कानून सचमुच लागू होगा?

नारी शक्ति वंदन नाम के महिला आरक्षण विधेयक को अभी राज्य विधानसभाओं में सहमति के लिये जाना है जहां 50 प्रतिशत विधानसभाओं की सहमति सहर्ष भी मिलने वाली है। इसलिये महिला आरक्षण को कानूनी जामा मिलना सुनिश्चित है। लेकिन इसके आगे जो निश्चित नहीं, वह कानून के लागू होने की तिथि है। कोई भी विधेयक राष्ट्रपति या गवर्नर की स्वीकृति के बाद अधिनियम बनता है तो उसमें कमेंसमेंट क्लॉज या प्रवृत्त होने की तिथि भी होती है। जिसमें साफ उल्लेख होता है कि अधिनियम के प्रवृत्त होने की तिथि सरकार अधिसूचना जारी कर तय करेगी। इसका स्पष्ट आशय यह है कि भले ही आरक्षण अधिनियम 2023 में बन जाये मगर उसे भविष्य की सरकारें अपनी सहूलियत के हिसाब से लागू करेंगी। इसे लागू करने के लिये उस सरकार को अधिसूचना जारी करनी होगी और तिथि तय करना उस सरकार की मर्जी या राजनीतिक सहूलियत पर निर्भर करेगा। वैसे भी अधिनियम जब बनता है तो उसे लागू करने के लिये नियम (रूल) और फिर लागू करने वाली संस्था विनियम (रेगुलेशन) बनाती है।

महिला आरक्षण लोकसभा और विधानसभाओं के परिसीमन के बाद ही लागू होना है और सन् 2001 के 84वें संविधान संशोधन के अनुसार सन् 2026 तक लोकसभा और विधानसभाओं की सीटें फ्रीज हैं। उस संशोधन में यह भी तय किया गया है कि 2026 के बाद जो भी जनगणना होगी उसके अनुसार सीटों का परिसीमन होगा। सन् 2026 के बाद जनगणना कब होगी, यह भी भविष्य के गर्भ में है। जनगणना अधिनियम 1948, जनगणना नियम 1990 और उसके तहत किये गये संशोधनों के अनुसार देश की 16वीं दशकीय जनगणना 2021 में होनी थी। आजादी

के बाद यह 8वीं जनगणना होनी है, जो कि अनिश्चित है। सरकार चाहे तो पहले भी जनगणना करा सकती है जो कि तत्काल संभव नहीं है। अगर 2026 में भी जनगणना कराई जाती है तो उसके विश्लेषण के नतीजे आने में भी कई साल लग जाएंगे, जो कि शायद ही 2029 के लोकसभा चुनाव तक आ सकें। अगर 2021 के बाद 2031 में जनगणना होती है तो उसके नतीजे आने में भी तीन-चार साल लगेंगे। अगर जनगणना 2026 के बाद 2027 में करायी जाती है, तब जाकर उसका उपयोग परिसीमन में कराया जा सकता है। लेकिन 2029 के चुनाव में फिर भी यह कसरत शायद काम आयेगी।

अगर यह आरक्षण क्षैतिज होता तो पुरुष प्रधान राजनीति पर इसका असर नहीं पड़ता। लेकिन मौजूदा विधेयक के अनुसार कानून बनाने वाली विधायिका में 33 प्रतिशत आरक्षण मिलने से जितनी सीटें महिलाओं की बढ़ेंगी, उतनी ही सीटें पुरुषों की घट जायेंगी। इससे कई नेता बेरोजगार हो जायेंगे। इसीलिये पिछले 27 सालों से यह मामला लटकता रहा है। भले ही अब कानून बन जाये, इसे लागू कराने की जिम्मेदारी पुरुष प्रधान राजनीतिक सत्ता की ही होगी। तभी कहा जा रहा है कि यह कानून तो बन रहा है मगर इसका क्रियान्वयन भविष्य पर छोड़ दिया गया है। लोकसभा और विधानसभाओं द्वारा पारित किये गये अनेक अधिनियम हैं जो कि व्यावहारिक धरातल पर नहीं उतरे। कुछ उतरे भी तो बहुत देरी से। सन् 2014 में नेशनल ज्यूडिशियल अपॉइंटमेंट्स कमीशन अधिनियम बना था जो कि कभी लागू नहीं हुआ। उसे सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक घोषित कर दिया। इसी तरह गुजरात गवर्नमेंट लैण्ड एक्ट 1960 बना जो कि कभी लागू नहीं हुआ। सन् 1976 में भारतीय संविधान (दूसरा संशोधन) अधिनियम 1976 बना। वह भी विवाद के कारण लागू नहीं हुआ। संसद ने 1969 में प्रशासनिक सुधार अधिनियम 1969 पास किया तो वह भी धरती पर नहीं उतरा। गुजरात कंट्रोल ऑफ टेररिज्म एण्ड ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एक्ट 2015 भी विपक्ष के भारी विरोध के कारण लागू नहीं हुआ। संसद भवन पर आतंकी हमले के बाद सन् 2002 में प्रीवेंसन ऑफ टेररिज्म एक्ट 2002 बना जिसे 2004 में रिपील कर दिया गया। उसके कई प्रावधान कभी लागू नहीं हुए। भूमि सुधार संबंधी कुछ कानून देश में बने जो लागू नहीं हुए।

घरेलू स्टार्टअप्स को संबल से हो चिप निर्माण

टीके अरुण

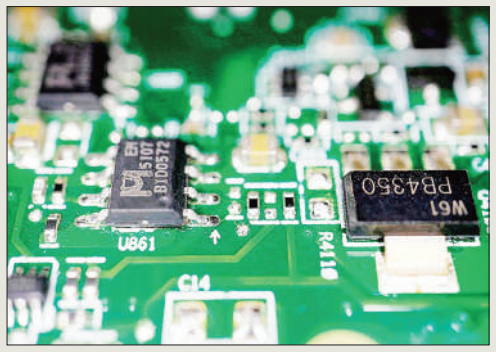

चीन की महाकाय टेलीकॉम कंपनी हुआवे ने 4 सितम्बर को 5-जी क्षमता वाला मोबाइल फोन मेट-60 बाजार में उतारा है। इसके परिप्रेक्ष्य में भारत को माइक्रोप्रोसेसर चिप के घरेलू उत्पादन की अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करने की जरूरत है। फोन कंपनियां नित नए मॉडल बाजार में पेश करती रहती हैं। लेकिन एक चीनी कंपनी द्वारा मोबाइल फोन का नया मॉडल जारी करना भारत के लिए क्योंकर इतना मायने रखता है, खासकर जब हमारी आकांक्षा वैश्विक चिप-सुपरपॉवर बनने की है?

लेकिन हुआवे कोई ऐसी-वैसी मोबाइल उत्पादन कंपनी नहीं है। इसकी स्थापना टेलीकॉम शृंखला के तमाम क्षेत्रों में मूल्य-संवर्धन करते हुए चीन की स्वदेशी क्षमता बनाने के मकसद से हुई थी। इसके काम में संचार और सिग्नल तकनीक से लेकर चिप डिजाइनिंग, राउटर्स एवं दूरसंचार नेटवर्क और इसके लिए जरूरी कलपुर्जे और हैंडसेट उत्पादन शामिल हैं। यह कंपनी अपनी कुल आमदनी का 15-20 फीसदी अनुसंधान एवं विकास पर निवेश करती है। पूरी दुनिया में दूरसंचार तंत्र निर्माण में हुआवे सबसे सस्ती कंपनी है और वैश्विक बाजार में इसकी हिस्सेदारी तेजी से बढ़ी है।

अमेरिका ने अपने दूरसंचार ढांचा निर्माण कार्यों में हुआवे की भागीदारी प्रतिबंधित कर रखी है और अपने सहयोगियों को भी यही करने को प्रेरित करता है, क्योंकि उसे शक है कि हुआवे के उपकरणों और नेटवर्क के जरिए चीनी सरकार समस्त डाटा ट्रैफिक पर चोरी से नज़र रख सकती है। हालांकि हुआवे इसका पुरज़ोर खंडन करती है, लेकिन कोई असर नहीं। अमेरिकी सरकार के दबाव में, गूगल ने अपना एंड्रॉयड ऑपरेटिंग सिस्टम हुआवे को देना बंद कर दिया, हालांकि शेष चीनी फोन निर्माताओं पर रोक नहीं है। बाइडेन प्रशासन ने पूर्ववर्ती ट्रंप सरकार द्वारा चीनी कंपनियों पर लगाए तकनीक-प्रतिबंधों को और कस दिया ताकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्वांटम कंप्यूटिंग में चीन की क्षमता अमेरिका से आगे न निकल पाए। यह तकनीकें व्यावसायिक प्रतिद्वंद्विता में बढ़त देने के अलावा सामरिक रूप से बहुत महत्व रखती हैं।

इन प्रतिबंधों में एक था चिप-निर्माण में प्रयुक्त होने वाले उपकरण, गैस और रसायन चीनी कंपनियों को देने पर रोक। नीदरलैंड की एएसएमएल कंपनी का एक्सट्रीम अल्ट्रावॉयलेट लित्थोग्राफी तकनीक वाली मशीनें बनाने पर एकाधिकार है। इसमें फोकस्ड लेजर बीम से सिलिकॉन चिप पर अल्ट्रा-थिन ग्रूव्स (नलियां) बनाए जाते हैं, जिनमें वाष्पित तांबा भर जाने के बाद माइक्रोप्रोसेसर का फाइन सर्किट तैयार होता है। एएसएमएल ने अमेरिका द्वारा लगाए तकनीक-प्रतिबंधों का पालन किया क्योंकि मशीन बनाने की तकनीक अमेरिका से मिली है। यह कंपनी अपनी मशीनें सिर्फ निर्यात-लाइसेंस प्रावधान के अधीन बेच सकती है और चीन को ऐसा कोई लाइसेंस नहीं दिया गया।

इसके बावजूद हुआवे मेट-60 में जो चिप लगी है वह 7 नैनोमीटर सर्किट्री पर आधारित है, जिसे कुछ साल पहले तक परम-परिष्कृत तकनीक मानी जाती थी। नवीनतम आईफोन में विश्व के सबसे उन्नत चिप निर्माता ताइवान के सेमीकंडक्टर मैन्यूफैक्चरिंग कॉर्पोरेशन द्वारा बनाई 3-नैनोमीटर चिप लगी हुई है। इंटेल, जो कि इंटीग्रेटेड सर्किट में सिरमौर है, वह भी आज की तारीख में इतनी उन्नत चिप नहीं बना सकता। हुआवे की चिप शायद चीन सरकार के आंशिक स्वामित्व वाली सेमीकंडक्टर मैन्यूफैक्चरिंग इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन (एसएमआईसी) में बनी है। अमेरिका ने यह जानने के लिए जांच बैठाई है कि एसएमआईसी ने यह चिप अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन करके कहीं से आयातित किए उपकरणों के जरिए बनाई है या स्वदेशी अनुसंधान एवं विकास के बूते पर। केवल कुछ महीने पहले ही, एक चीनी स्टार्टअप ने 20 नैनोमीटर डिज़ाइन आधारित चिप सफलतापूर्वक जारी की है, जिसे स्वदेश में विकसित तकनीक और निर्माण-उपकरणों से बनाया गया है। बड़ी मशीनें और उपकरण, जिनमें चिप का सूक्ष्म आकार अनिवार्य नहीं है, जैसे कि कार, रेफ्रिजेरेटर इत्यादि, वहां चिप 20 नैनोमीटर वाली हो या 40 नैनोमीटर वाली लगे, कोई फर्क नहीं पड़ता।

जो चिप भारत में वेदांता ग्रुप बनाने की सोच रहा है और जिसके पीछे केंद्र सरकार द्वारा घोषित उदार सब्सिडी के संबल के अतिरिक्त राज्य सरकार का भी पूरा सहयोग है, वह पुरानी पीढ़ी की चिप है। अब तक, एक भी चिप निर्माता कंपनी आगे नहीं आई जो भारत में नवीनतम और परम-परिष्कृत चिप बनाने की पेशकश करे। अमेरिका, यूरोप, जापान और दक्षिण कोरिया अपने यहां नए चिप उत्पादकों को दहाई बिलियन डॉलर की सब्सिडी दे रहे हैं, इस दौड़ में भारत क्या सच में इन देशों के सामने टिकता है? क्या यह करने का वास्तविक लाभ भी है? प्रतिबद्ध निवेश के रूप में भारत इस क्षेत्र में जो कुछ पा सका है, वह केवल असेम्बली, टेस्टिंग और पैकेजिंग (एटीएमपी) प्लांट स्थापित करने तक सीमित है न कि निर्माण कार्य।

हुआवे फोन द्वारा 7 नैनोमीटर वाली और चीनी स्टार्टअप का 20 नैनोमीटर वाली चिप बना लेना दर्शाता है कि वे स्थापित विदेशी चिप निर्माताओं से इतर स्वदेशी निर्माण उपकरण और तकनीक से चिप बनाने में सक्षम हो गए हैं। यह वह लीक है, जिस पर भारत को ध्यान केंद्रित करना चाहिए। आखिरकार स्वदेशी चिप निर्माण करने की जहमत क्यों उठानी चाहिए? इसके पीछे तीन कारण हो सकते हैं। एक है चिप आयात करने में जो विशाल विदेशी मुद्रा हाथ से जाती है, उसे रोकना।

नारियल का तेल

नारियल का तेल में कई ऐसे तत्व होते हैं, जो त्वचा संबंधी परेशानियों को कम करते हैं। ये आमतौर पर सभी घरों में आसानी में मिल जाता है। ये आपकी स्किन को हाइड्रेटेड रखता है। इसके इस्तेमाल के लिए आपको बस कुछ बूंद तेल लेकर हाथ-पैर पर मालिश करनी है। नारियल तेल का इस्तेमाल खाना बनाने से लेकर स्किन से जुड़ी दिक्कतों का समाधान करने के लिए करते हैं। यानी रूखे बाल हों या स्किन की समस्या नारियल तेल आपको कभी निराश नहीं करेगा। त्वचा को मोइश्चराइज़ करता है अगर आपकी त्वचा रूखी नहीं है, लेकिन मौसम में बदलाव ड्राइनेस का कारण बनता है, तब भी नारियल का तेल फायदा पहुंचाएगा। लिप बाम के तौर पर नारियल तेल अगर आपके होंठ रूखे हो जाते हैं, तो तेल लगा सकती हैं।

ओटमील पाउडर

इसके इस्तेमाल के लिए ओटमील पाउडर में पानी मिलाकर इसका पेस्ट बनाएं। हाथ-पैर में नमी बरकरार रखने के लिए आपको हर रोज इसका इस्तेमाल करना है। ओट्स एक तरह का अनाज होता है। इसी ओट्स से तैयार किए हुए आहार को ओटमील कहते है। ओटमील को हिंदी में दलिया कहा जाता है। दलिया या ओटमील का प्रयोग नाश्ते के रूप में किया जाता है।

पेट्रोलियम जेली

बाजार में आपको बेहद कम दामों में पेट्रोलियम जेली मिल जाएगी। ऐसे में आप हाथ-पैर की नमी बरकरार रखने के लिए इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। पेट्रोलियम जेली का प्रयोग हमारे बालों के लिए भी फायदेमंद होती है। अगर आपके बाल दो-मुंहे हो गए हैं तो घबराइए नहीं। पेट्रोलियम जेली उन्हें भी ठीक कर देती है।

शहद

अगर आप शहद का इस्तेमाल करने का सोच रही हैं, तो ये एक बेहतर विकल्प है। इसमें कई एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल तत्व पाए जाते हैं। इसके इस्तेमाल के लिए बस आपको 10 से 15 मिनट तक शहद अपने हाथ-पैर पर लगाना है और फिर हाथ धो लेने हैं। अगर शहद को गुनगुने पानी में मिलाकर पिया जाए तो उसका खून में लाल रक्त कोशिकाओं की संख्या पर लाभदायक असर पड़ता है। लाल रक्त कोशिकाएं मुख्य रूप से शरीर के विभिन्न अंगों तक खून में ऑक्सीजन पहुंचाती हैं। शहद और गुनगुने पानी का मिश्रण खून में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ाता है, जिससे एनीमिया या खून की कमी की स्थिति में लाभ होता है। आयरन की कमी यानी एनीमिया की स्थिति तब आती है जब आहार में लौह तत्व को कम मात्रा में ग्रहण किया जाता है या शरीर उसे पर्याप्त रूप से सोख नहीं पाता। इससे रक्त की ऑक्सीजन ढोने की क्षमता प्रभावित होती है।

बदलते मौसम में ऐसे बचाएं त्वचा की नमी

रोजमर्रा की जिंदगी में कई चीजें ऐसी होती हैं, जिनके इस्तेमाल से हाथ-पैर काफी रूखे होने लगते हैं। इन चीजों कठोर साबुन, केमिकल प्रोडक्ट और अगरबत्ती शामिल होती हैं। इनके साथ ही बदलते मौसम का सीधा असर भी हाथ-पैर पर पड़ता है। दरअसल, अब जब कभी तेज गर्मी हो रही है तो कभी तेज बारिश, ऐसे में स्किन पर इसका प्रभाव होना स्वाभाविक है। बदलते मौसम में हाथ-पैर कई बार इस कदर ड्राई हो जाते है, कि खुजली की वजह से उनसे खून तक आने लगता है। बदलते मौसम में ड्राई स्किन से परेशान हैं तो कुछ घरेलू नुस्खे अपनाकर आप इस परेशानी से छुटकारा पा सकते हैं। कई चिजों के इस्तेमाल से आपके हाथ-पैरों के रूखेपन की समस्या खत्म हो सकती हैं। इन चीजों के इस्तेमाल के लिए आपको ज्यादा पैसे खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

एलोवेरा

एलोवेरा को एक औषधि के रूप में उपयोग किया जाता है. एलोवेरा की बहुत सारे फायदे है, चाहे वह त्वचा की बीमारी हो या या पेट की। एलोवेरा का उपयोग कई बीमारियों से निजात पाने के लिए किया जाता है। एलोवेरा में आयुर्वेदिक औषधि गुण मौजूद होते हैं जो हमें बीमारियों को खत्म करने में सहायता मिलती है। एलोवेरा स्किन पर नमी बरकरार रखने में मदद करता है। ऐसे में आप बड़ी आसानी से इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके इस्तेमाल के लिए बस एलोवेरा जेल लेकर हाथ-पैर पर लगाना है। एलोवेरा खांसी जुकाम में बहुत ही असरदार काम करता है।

हंसना मना है

प्रेमिका: मैं किसी और से शादी कर रही हूं, तुम मुझे भूल जाओ! प्रेमी: न तेरे आने की खुशी, न तेरे जाने का गम! जा बहन जा, दूसरी पटा लेंग हम।

लड़की ने अपने बॉयफ्रेंड से फोन पर कहा: मैं कल तुमसे मिलने नहीं आ सकती। बॉयफ्रेंड ओह ! चलो मैं तुम्हारा गिफ्ट किसी और को दे देता हूं। लड़की : मेरा मतलब था, मैं कल नहीं आ सकती! अभी कहां हो तुम?

महात्मा (शराबी से)- तुम्हारी श्वांस में शराब की ऐसी बदबू आती है कि तुम्हें स्वर्ग और नरक में जगह नहीं मिलेगी, शराबी (महात्मा से)- मगर मरने के बाद मैं अपनी श्वांस यहीं छोड़ जाऊंगा।

प्रेमिका (प्रेमी से)- क्या शादी के बाद भी तुम मुझे इतना प्यार करोगे? प्रेमी (प्रेमिका से)- क्यों नहीं? मुझे तो शादीशुदा लड़कियां बहुत पसंद है।

एक खूबसूरत लड़की बस स्टैंड पर खड़ी थी। एक नौजवान बोला- चांद तो रात में निकलता हैं , आज दिन में कैसे निकल आया? लडकी बोली- अरे उल्लू तो रात को बोलता था, आज दिन में कैसे बोल रहा हैं।

कहानी | सोच बदलो, जिंदगी बदल जायेगी

एक गांव में सूखा पड़ने की वजह से गांव के सभी लोग बहुत परेशान थे, उनकी फसलें खराब हो रही थी, और उन्हें समझ नहीं आ रहा था की इस समस्या का समाधान कैसे निकाला जाय। उसी गांव में एक विद्वान महात्मा रहते थे। गांव वालों ने उनके पास जाकर अपनी सारी परेशानी विस्तार से बतायी, महात्मा ने कहा कि आप सब मुझे एक हफ्ते का समय दीजिये मैं आपको कुछ समाधान ढूंढ कर बताता हूं। गांव वालों ने कहा ठीक है और महात्मा के पास से चले गये। एक हफ्ते बीत गये लेकिन साधू महात्मा कोई भी हल ढूंढ न सके और उन्होंने गांव वालों से कहा कि अब तो आप सबकी मदद केवल ऊपर बैठा वो भगवान ही कर सकता है। अब सब भगवान की पूजा करने लगे और भगवान ने उन सबकी सुन ली और उन्होंने गांव में अपना एक दूत भेजा। गांव में पहुंचकर दूत ने सभी गांव वालो से कहा कि आज रात को अगर तुम सब एक-एक लोटा दूध गांव के पास वाले उस कुवे में बिना देखे डालोगे तो कल से तुम्हारे गांव में घनघोर बारिश होगी और तुम्हारी सारी परेशानी दूर हो जायेगी। गांव वाले बहुत खुश हुए और सब लोग उस कुवें में दूध डालने के लिये तैयार हो गये लेकिन उसी गांव में एक कंजूस इंसान रहता था उसने सोचा कि सब लोग तो दूध डालेंगे ही अगर मैं दूध की जगह एक लोटा पानी डाल देता हूं तो किसको पता चलने वाला है। रात को कुवे में दूध डालने के बाद सारे गांव वाले सुबह उठकर बारिश के होने का इंतजार करने लगे लेकिन मौसम वैसा का वैसा ही दिख रहा था और बारिश के होने की थोड़ी भी संभावना नहीं दिख रही थी। बारिश का इंतेजार करने के बाद सब लोग उस कुवे के पास गये और जब उस कुवे में देखा तो कुंवा पानी से भरा हुआ था और उस कुवे में दूध का एक बूंद भी नहीं था। सब लोग एक दूसरे की तरफ देखने लगे और समझ गये कि बारिश अभी तक क्यों नहीं हुई। और वो इसलिये क्योंकि उस कंजूस व्यक्ति की तरह सारे गांव वालो ने भी यही सोचा था कि सब लोग तो दूध डालेगें ही, मेरे एक लोटा पानी डाल देने से क्या फर्क पड़ने वाला है। और इसी चक्कर में किसी ने भी कुवे में दूध का एक बूंद भी नहीं डाला और कुवे को पानी से भर दिया।

7 अंतर खोजें

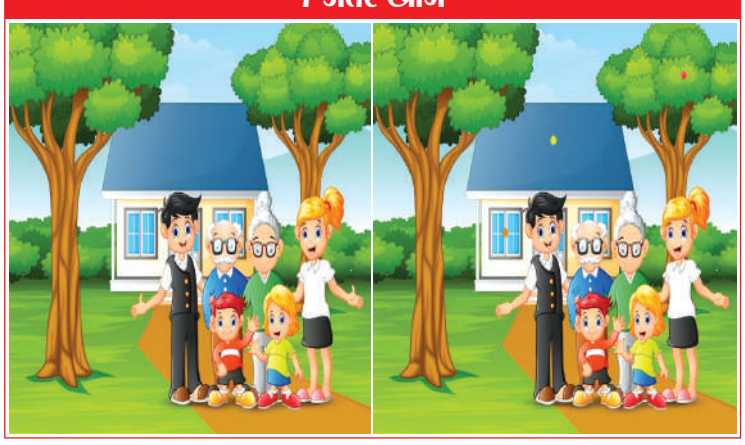

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। लॉटरी व सट्टे से दूर रहें। आंखों का ख्याल रखें। अज्ञात भय सताएगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

वृषभ विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें। निवेश शुभ रहेगा।

मिथुन व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मियों का साथ मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

कर्क कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु पस्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल होंगे।

सिंह दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

कन्या लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार ठीक चलेगा।

तुला सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। लंब समय से रुके कार्य सहज रूप से पूर्ण होंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। शेयर मार्केट में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक बड़ों की सलाह मानें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। धैर्य रखें। लाभ होगा। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कुबुद्धि हावी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। मित्रों से संबंध सुधरेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी।

मकर आय में निश्चितता रहेगी। कोई बड़ी समस्या आ सकती है। धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी अपरचित पर अतिविश्वास न करें। विवाद से क्लेश होगा।

कुम्भ कार्यप्रणाली में सुधार होगा। विरोधी सक्रिय रहेंगे। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। प्रमाद न करें। चोट व रोग से परेशानी संभव है। व्यापार वृद्धि होगी।

मीन व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

चंद्रमुखी-2 को लेकर कंगना रनौत ने बढ़ाई सोशल मीडिया की हलचल

बॉलीवुड | गपशप

कंगना रणौत इन दिनों अपनी आगामी हॉरर-कॉमेडी फिल्म चंद्रमुखी-2 को लेकर सुर्खियों में हैं। यह मूवी पूरे भारत में रिलीज होने वाली है। साउथ में इसका प्रमोशन जोरो-शोरों से जारी है। हालांकि, नॉर्थ में इसे लेकर कोई चर्चा नहीं हो रही है। वहीं, अब मुख्य अभिनेत्री ने साउथ मीडिया से बात करते हुए, फिल्म की रिलीज पर बड़ी बात कह दी है। साथ ही उन्होंने बताया है कि नॉर्थ में इसे लेकर कोई गतिविधि या इंटरव्यू क्यों नहीं हो रहा है।

जब एक समाचार संपादक ने इस बारे में ट्वीट किया और कंगना को टैग किया, तो अभिनेत्री ने खुलासा किया कि उन्हें अपनी आगामी फिल्म की हिंदी रिलीज के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। एक्स पर, कंगना ने कहा कि हिंदी संस्करण गोल्डमाइंस टेलीफिल्म्स के मनीष शाह द्वारा वितरित किया जा रहा है, और अभिनेत्री ने दावा किया कि मनीष हिंदी संस्करण जारी करने के इच्छुक नहीं थे। कंगना ने लिखा, फिल्म का डब किया हुआ हिंदी संस्करण लाइका प्रोडक्शंस द्वारा वितरित नहीं किया जा रहा है। इसका डब संस्करण जी टेलीफिल्म्स के पास है। यहां तक कि मुझे भी इसकी रिलीज के बारे में कोई स्पष्टता नहीं है। आखिरी बार मैंने गोल्डमाइंस टेलीफिल्म्स के मालिक मनीष जी से बात की थी, तब उन्होंने कहा था कि वह हिंदी संस्करण जारी नहीं कर रहे हैं। हालांकि, अब कुछ लोगों का ऐसा कहना है कि वह इसे जारी करने वाले हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो, राघव लॉरेंस और कंगना रणौत अभिनीत फिल्म चंद्रमुखी 2 28 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। हालांकि, पहले यह मूवी 15 सितंबर को रिलीज होने वाली थी।

फिल्म के ट्रेलर ने इसकी रिलीज के लिए फैंस के उत्साह को बढ़ाया हुआ है। ट्रेलर में नजर आता है कि चंद्रमुखी की इस 17 वर्ष पुरानी कहानी में अचानक से एक ट्विस्ट आ जाता है, क्योंकि 200 वर्ष पुरानी एक राजा और एक डांसर की कहानी वापस से जिंदा हो जाती है। चंद्रमुखी 2 वर्ष 2005 की प्रतिष्ठित ब्लॉकबस्टर चंद्रमुखी का सीक्वल है। दोनों फिल्मों का निर्देशन पी वासु ने किया है। प्रीक्वल में ज्योतिका ने मुख्य किरदार निभाया था, और रजनीकांत, वेट्टियन राजा के किरदार में थे। दूसरी किस्त में, कंगना ने ज्योतिका की जगह ली, जबकि राघव लॉरेंस, रजनीकांत की जगह लेने में सफल रहे हैं।

एटली से मनमुटाव की खबर के बीच सुर्खियों में नयनतारा का पोस्ट

साउथ सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री नयनतारा ने हाल ही में शाहरुख खान के साथ फिल्म जवान के जरिए अपना बॉलीवुड डेब्यू किया। फिल्म घरेलू के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बॉक्स ऑफिस पर भी छाई हुई है। मूवी ने अब तक कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं, और आगे भी कई रिकॉर्ड तोड़ने की ओर अग्रसर है। वहीं, बीते दिन नयनतारा को लेकर एक हैरान करने वाली जानकारी सामने आई। खबर थी कि अभिनेत्री जवान में अपने किरदार को ज्यादा महत्व न दिए जाने के कारण निर्देशक एटली से खफा हैं, और शायद ही आगे किसी बॉलीवुड फिल्म में काम करेंगी। इसी बीच नयनतारा ने कुछ ऐसा किया है, जिसने वापस से उन्हें सुर्खियों में ला दिया है।

जवान की रिलीज के दो हफ्ते बाद एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया कि नयनतारा फिल्म में अपनी भूमिका को दरकिनार करने के लिए निर्देशक एटली से नाराज हैं। एक मीडिया रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से कहा गया, वह एटली से बहुत नाराज हैं क्योंकि फिल्म में उनकी भूमिका काट दी गई थी। साथ ही, दीपिका पादुकोण के किरदार को ऊंचा कर दिया गया, और नयनतारा के हिस्से को काफी हद तक दरकिनार कर दिया गया।

इन खबरों के बीच, नयनतारा ने गुरुवार, 21 सितंबर को एटली को उनके 37वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। अभिनेत्री ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर जवान से अपने कुछ बीटीएस शॉट्स साझा किए और लिखा, जन्मदिन मुबारक हो एटली। मुझे आप पर बहुत गर्व है। इसके साथ ही अभिनेत्री ने गले लगाने और दिल वाला इमोजी भी जोड़ा। इस पोस्ट के जरिए नयनतारा ने मनमुटाव की खबरों को सिरे से खारिज कर दिया है।

नयनतारा वीडियो कॉल के माध्यम से टीम में शामिल हुई थीं और अपनी जवान यात्रा पर विचार करते हुए कहा था, मैं आपके सभी संदेश पढ़ रही हूं, और मुझे कहना होगा कि जवान के लिए इतना प्यार प्राप्त करना बिल्कुल अभिभूत करने वाला है। आपका समर्थन मेरे लिए बहुत मायने रखता है, और मैं इसके लिए बेहद आभारी हूं।

बॉलीवुड | मन की बात

द वैक्सीन वॉर को प्रोपेगेंडा फिल्म कहे जाने पर राइमा सेन ने किया रिएक्ट

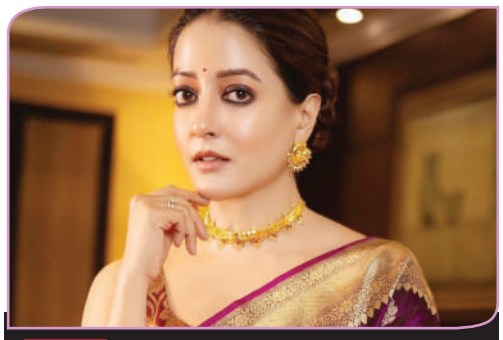

मुनमुन सेन की बेटी राइमा सेन इन दिनों फिल्मों में अपने कमबैक को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। राइमा सेन जल्द ही विवेक रंजन अग्निहोत्री द्वारा निर्देशित फिल्म द वैक्सीन वॉर में काम करती नजर आएंगी। द कश्मीर फाइल्स की अपार सफलता के बाद एक बार फिर विवेक अग्निहोत्री देश से जुड़ी फिल्म लेकर आ रहे हैं। उनकी इस फिल्म पर भी वैसे ही सवाल उठाए जा रहे हैं, जैसे पिछले साल रिलीज हुई द कश्मीर फाइल्स पर उठाए गए थे। द वैक्सीन वॉर को भी प्रोपेगेंडा फिल्म बताया जा रहा है और अब इस तरह की प्रतिक्रिया देने वाले लोगों पर राइमा सेन ने अपनी प्रतिक्रिया दी है और बताया कि क्या उन्हें इस तरह के कमेंट्स से फर्क पड़ता है? राइमा सेन अपनी आगामी फिल्म द वैक्सीन वॉर की रिलीज का इंतजार कर रही हैं। फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही इसे अंधराष्ट्रवादी और प्रोपेगेंडा फिल्म बताया जा रहा है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में राइमा सेन ने द वैक्सीन वॉर को प्रोपेगेंडा फिल्म कहे जाने और इसकी आलोचना के बारे में बात करते हुए कहा कि उन्हें इसकी परवाह नहीं है। वह बोलीं, एक अभिनेत्री के रूप में यह सही में मेरे लिए मायने नहीं रखता। महत्वपूर्ण यह है कि मेरे किरदार को कैसा आकार दिया गया है। क्या इससे मुझे कुछ मिलेगा और कुछ हासिल होगा? राइमा सेन ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, बेशक, कई बार आप किसी दोस्त के लिए फिल्म करते हैं। लेकिन अपने करियर के इस पड़ाव पर मैं वह काम करूंगी, जो मेरे लिए फायदेमंद हो। मैं स्वार्थी ढंग से काम चुनती हूं। ईमानदारी से कहूं तो यह लोगों की धारणा है, चाहे वे इसे अंधराष्ट्रवादी कहें या दुष्प्रचार कहें या इसे ट्रोल करें, मुझे वास्तव में इसकी परवाह नहीं है। राइमा सेन ने इस इंटरव्यू में यह भी खुलासा किया कि क्या फिल्म द वैक्सीन वॉर में उनका किरदार एक पत्रकार से प्रेरित है या नहीं। अभिनेत्री ने कहा, मुझे यकीन है कि यह है लेकिन केवल विवेक ही इसके बारे में जानते हैं।

कभी हीरों से भरा हुआ था ये रेगिस्तानी शहर, अब बन चुका है 'भूतिया'

नामीबियाई रेगिस्तान के बीच में एक 'भूतिया' शहर कोलमन्सकोप है। यह टाउन कभी हीरों से भरा हुआ था, लेकिन अब घुटनों तक रेत में दबे जर्जर घरों से भरा हुआ है। इस शहर में एक बार सैकड़ों जर्मन खनिक कीमती पत्थरों की तलाश में आए थे, जो उन्हें अमीर बना दें। तब यह गांव हर साल 10 लाख कैरेट हीरे का प्रोड्यूस कर रहा था, जो दुनिया के कुल हीरा उत्पादन का 11.7 फीसदी था। क्यों वीरान हो गया यह गांव? द सन की रिपोर्ट के अनुसार- लेकिन जब 1956 में यहां हीरे खत्म हो गए, तो गांव पूरी तरह से वीरान हो गया। आने वाले सालों में रेगिस्तानी रेत घरों में घुटनों तक भर गया। कोलमन्सकोप की स्थापना 1900 के प्रारंभ में हुई थी, जब रेत पर हीरे की खोज की गई थी। आगे चल कर इस जगह को दुनिया के सबसे बड़े हीरा खनन स्थलों में से एक रूप में पहचान मिली। 1908 में रेलवे वर्कर जकारियास लेवाला को पटरियों से रेत हटाते समय चमकदार रत्नों में से एक मिला था। उसने उसे अपने जर्मन बॉस ऑगस्ट स्टॉच को दिखाया। जांच में उस रत्न के हीरा होने की पुष्टि हुई। इस खबर से नामीबिया में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। कुछ ही सालों में सैकड़ों की संख्या में जर्मन लोग यहां आकर बस गए। उन्होंने यहां अपने घर बनाए। कोलमन्सकोप- जल्द ही रेगिस्तान में फंसे एक जर्मन सिटी जैसा दिखने लगा। चिलचिलाती गर्मी से निपटने के लिए एक बर्फ फैक्ट्री के साथ एक अस्पताल, बॉलरूम, पॉवर स्टेशन, स्कूल, थिएटर और टाउन हॉल सभी बनाए गए थे। इस टाउन को साउथर्न हेमिस्फीयर में पहला एक्स-रे स्टेशन और अफ्रीका का पहला ट्राम मिला। 1920 के दशक तक, 300 जर्मन लोग, 40 बच्चे और 800 ओवाम्बो वर्कर्स कोलमन्सकोप में रहते थे। फर्स्ट वर्ल्ड वॉर के बाद, जब हीरों की कीमत में गिरावट आई, तो यहां से लोग अपने घर मकान छोड़-छोड़ कर जाने लगे। इस तरह यह टाउन केवल 40 सालों के भीतर बनाया गया और छोड़ दिया गया। इसके बाद दशकों तक यहां कोई रहने के लिए नहीं आया। तब से यह पूरा शहर वीरान पड़ा हुआ है। इस घोस्ट टाउन का इस्तेमाल 2000 की फिल्म 'द किंग इज अलाइव' सहित कई साउथ अफ्रीकी टीवी सीरीज और फिल्मों में किया गया। घोस्ट टाउन टूर्स नामक एक टूर कंपनी ने इस ऐतिहासिक स्थल को मैनेज शुरू किया और 2002 में इसको पर्यटकों के लिए खोल दिया। हर साल लगभग 35 हजार पर्यटक यह देखने के लिए आते हैं कि इस भयानक स्थल पर क्या बचा है।

अजब-गजब | इस शहर में शराब पीने वालों को हो जाती है जेल

बिना परमिशन यहां एंट्री है बैन, गए तो लग जाएगा 2 लाख का जुर्माना!

आज जब दुनिया में हर व्यक्ति कहीं भी और कभी भी जाने के लिए आजाद है, तब ऑस्ट्रेलिया की एक जगह लोगों को चौंकाती है। वो इसलिए क्योंकि इस जगह पर बिना परमिशन लिए एंट्री करने पर प्रतिबंध लगा हुआ है। इस जगह का नाम है Anangu Pitjantjatjara Yankunytjatjara। बेशक ये नाम पढ़ने पर में आपको काफी परेशानी हो रही होगी, इस वजह से आपको बता दें कि इस इलाके को आसान शब्दों में APY Lands बोलते हैं। ये ऑस्ट्रेलिया में मौजूद एक बड़ा इलाका है जहां पुकतजा, अमाता जैसी कई जनजातियां रहती हैं जो असल ऑस्ट्रेलिया के रहने वाले प्राचीन लोग हैं और वो यहां 10 हजार सालों से रह रहे हैं।

एपी लैंड्स साउथ ऑस्ट्रेलिया (APY Lands South Australia) में मौजूद है। यहां कोई भी बाहरी, बिना परमिशन के नहीं घुस सकता। जिसे भी यहां आना है, उन्हें इस जगह के प्रशासन से परमिशन लेनी पड़ेगी। अगर कोई ऐसा नहीं करता और जबरदस्ती घुसता है तो उसे 1.6 लाख रुपये का जुर्माना चुकाना होगा और उसके बाद दोबारा ऐसा होता है तो वो जितने दिन रहेगा, उतने दिन 41 हजार रुपये प्रति दिन के हिसाब से जुर्माना देना पड़ेगा।

डेली मेल वेबसाइट ने हाल ही में इस जगह के अंदर रहकर यहां के हालातों का ब्योरा दिया है। वेबसाइट के अनुसार इस इलाके में शराब पीने और जुआ खेलने पर भी प्रतिबंध है। ऐसा करने वालों को जेल हो जाती है। साउथ ऑस्ट्रेलिया का 10 फीसदी इलाका एपी लैंड्स के अंतर्गत आता है। यहां टूरिज्म को लेकर किसी तरह का इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं है। बिना पर्मिट के यात्री यहां से नहीं गुजर सकते हैं। इस इलाके में सिर्फ 2333 लोग रहते हैं। लोगों में बहुत ज्यादा बेरोजगारी है, करीब 40 फीसदी लोग बेरोजगार हैं, और 68 फीसदी लोगों को पुरानी और गंभीर बीमारियां हैं।

इस इलाके में रहने वाले कुछ बड़े समुदायों के पास मोबाइल फोन, टीवी आदि जैसी सुविधाएं भी हैं। पर यहां महंगाई बहुत ज्यादा है। घर के सामान खरीदने के लिए कुछ दुकानें हैं जहां 2 लीटर दूध की बोतल 663 रुपये की है। यहां औसत साप्ताहिक व्यक्तिगत आय 24 हजार रुपये तक है। जबकि कई घरों का साप्ताहिक किराया 7 हजार रुपये तक है।

सत्ता में नहीं थे तो बड़ी-बड़ी बातें करते थे सीएम: कमलनाथ

किसानों के मुद्दे पर घेरा, बोले- अब 40 हजार हेक्टेयर मुआवजा देने से कौन रोक रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के पहले राजनीति पार्टियों के बीच आरोप प्रत्यारोप भी तेज हो गए है। अब कमलनाथ ने किसानों के मुद्दे पर सरकार को घेरा है। शनिवार को पीसीसी चीफ और पूर्व सीएम कमलनाथ ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर निशाना साधते हुए सवाल किया। उन्होंने कहा कि शिवराज जी जब आप विपक्ष में थे तो किसान को नुकसानी का 40 हजार रु प्रति हेक्टर मुआवजा देने की मांग करते थे। आज आपको किसानों को यह मुआवजा देने से कौन रोक रहा है?

पीसीसी चीफ और पूर्व सीएम कमलनाथ ने सोशल मीडिया पर लिखा कि मालवा निमाड़ सहित मध्य प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में पहले अल्पवृष्टि और फिर अतिवृष्टि से सोयाबीन की फसल पूर्णत: बर्बाद हो चुकी है। आपदा की मार से किसान की आर्थिक स्थिति पर भारी चोट पड़ी है। शिवराज जी जब आप विपक्ष में थे तो किसान को नुकसानी का 40 हजार रु प्रति हेक्टर मुआवजा देने की मांग करते थे। आज आपको किसानों को यह मुआवजा देने से कौन रोक रहा है?

'कमलनाथ जी मुझे आपको सीएम की कुर्सी पर देखना है'

छिंदवाड़ा के पांढुर्णा में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण करने आए शिवसेना (उद्धव गुट) नेता व महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने कहा, कमलनाथ से मैं यही पूछने आया हूं कि शपथ ग्रहण समारोह का समय और तारीख कौन सी है? मुझे आपको वापस सीएम की कुर्सी पर देखना है। मध्यप्रदेश और यहां की जनता के लिए वहां मुझे आपको देखना है। जनसभा में उन्होंने मंच से साल 2014 से पहले और अभी के गैस, पेट्रोल और डीजल के दाम जनता से पूछे। इंडिया का जिक्र करते हुए भाजपा को घेरा। कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा,भाजपा अब नया मुद्दा ला रही है सनातन धर्म।

नकली चेहरा सामने आए, असली छिपा रहे इसका उदाहरण हैं कमलनाथ : शिवराज

नकली चेहरा सामने आए और असली सूरत छिपी रहे इसका उदाहरण है कमलनाथ। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि ये वे कमलनाथ हैं जिन्होंने सौसंर में छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा नहीं लगने दी। छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान करने का काम कमलनाथ ने किया था। उसे समय हमारी सरकार नहीं थी लेकिन मैं खुद वहां गया था। मैंने आंदोलन किया था। सीएम ने कहा कि जो नकली और मौसमी होते हैं वह राम की भी पूजा करते हैं। अब छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा लगाने का काम कर रहे हैं। इसके साथ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने घर घर गंगा जल बांटने के कांग्रेस अभियान पर भी चुटकी ली। उन्होंने कहा कि जनता हम पर विश्वास करती है इसलिए हम को कसम खाने की जरूरत नहीं है।

कमलनाथ ने कहा कि आपने किसान कर्ज माफी की योजना बंद करके अन्नदाताओं के पेट पर लात मारी है। आपकी घोषणायें झूठी और फरेबी हैं।आपकी इन झूठी घोषणाओं से ऊबकर प्रदेश का अन्नदाता किसान पूछ रहा है कि इन झूठी घोषणाओं को कैसे बोयें और कहां उगायें?

'लेंस ऑन लाइफ' प्रदर्शनी में पहुंचे अखिलेश यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ स्थित ललित कला अकादमी में शुक्रवार को लेंस आन लाइफ प्रदर्शनी लगाई गई। बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे अखिलेश यादव ने इसका शुभारंभ किया। इस प्रदर्शनी में लखनऊ में जाने माने फोटो जर्नलिस्ट मनोज छबड़ा के छायाचित्रों को शामिल किया गया।

» बोले-तस्वीरें बहुत कुछ बोलती हैं

लेंस ऑन लाइफ के नाम से लगाई गई यह प्रदर्शनी मनोज ने अपनी माता स्व. संतोष देवी छबड़ा को समर्पित की। इस दौरान वरिष्ठ फोटो जर्नलिस्ट मनोज छाबड़ा के पिता वयोवृद्ध 94 वर्षीय प्रवीण चंद्र छाबड़ा ने अखिलेश यादव को आशीर्वाद दिया। इस दौरान सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मनोज छाबड़ा को तस्वीरों के माध्यम से अनेक कहानियों को जीवंत रूप देने के लिए बधाई दी। कहा कि मनोज ने फोटो जर्नलिज्म के क्षेत्र में लम्बे समय तक काम किया है। उनकी प्रतिभा मुखर होकर बोलती है। चित्रों के माध्यम से हजारों शब्दों को वाणी मिलती है।

फोटोग्राफी घटनाओं की सुरक्षा करती है : अखिलेश

अखिलेश यादव ने कहा कि फोटोग्राफी उन क्षणों और घटनाओं की सुरक्षा करती है, जो हमेशा हमें याद आती हैं। वरिष्ठ छायाकार मनोज ने टाइम्स आफ इंडिया और नवभारत टाइम्स में 25 वर्षों तक सेवाएं दी है। अपनी फोटो में वे दृश्यों के साथ भावनाओं को भी उतारने में सक्षम हैं। उनके काम की सभी सराहना और सम्मान करते है। प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में पत्रकार, छायाकार, लेखक तथा सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ता मौजूद थे। इस अवसर पर नीलू छाबड़ा, चेतन छाबड़ा सहित टाइम्स ग्रुप के सदस्य भी उपस्थित रहे।

देश के संस्कार को बचाने के लिए भाजपा से दूरी बनाना जरूरी: येचुरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» लालू व नीतीश से मिले सीपीआईएम नेता

पटना। सीपीआईएमके वरिष्ठ नेता सीताराम येचूरी लालू प्रसाद यादव से मिले। उन्होंने कहा है कि देश के आचरण और संस्कार को बचाने के लिए भाजपा से दूरी बनाना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन की मजबूती के लिए वह प्रयासरत हैं और इसके तहत वह आज लालू प्रसाद यादव से मिले। उन्होंने बताया कि उन्होंने उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और वन एवं पर्यावरण मंत्री तेज प्रताप यादव से भी मुलाकात की।

गठबंधन की मजबूती पर हुई बात

सीताराम येचूरी ने कहा कि कहा कि सभी नेताओं से चर्चा की गई जिसमें I.N.D.I.A गठबंधन की मजबूती और इसमें अन्य दलों, जो लोग इसमें शामिल होना चाहते हैं, उसको लेकर बातें हुई। उन्होंने कहा कि आने वाले 2024 के लोकसभा चुनाव में बिहार में लोकसभा के सभी 40 सीटों पर कैसे जीते हो इस पर लेकर रणनीति बनाई गई है।

भाजपा नेता वसुंधरा राजे ने सीएम गहलोत से की मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान की राजनीति में विधानसभा चुनाव से पहले काफी हलचल देखने को मिल रही है। जयपुर में कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान के उद्घाटन समारोह में भाजपा नेता और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की उपस्थिति और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ उनकी एक तस्वीर ने सियासी हलचल और तेज कर दी है।

ये फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, राजस्थान में इस साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, ऐसे में लोग इस तस्वीर अलग-अलग मायने निकाल रहे हैं। कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान के उद्घाटन के बाद बीजेपी नेता वसुंधरा राजे ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात की। हालांकि, उन्होंने अशोक गहलोत के साथ मंच साझा नहीं किया, लेकिन कार्यक्रम के बाद वसुंधरा ने गहलोत से अलग से मुलाकात की।

सनातन पर बोलने के लिए एक बच्चे को बेवजह निशाना बनाया जा रहा है: कमल

» उदयनिधि के बचाव में उतरे फिल्म अभिनेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। बीते दिनों तमिलनाडु सरकार के मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म को लेकर विवादित बयान दिया था। अब मशहूर अभिनेता और राजनेता कमल हासन ने उदयनिधि का बचाव किया है और कहा है कि सनातन विवाद में एक बच्चे को निशाना बनाया जा रहा है। कमल हासन ने ये भी कहा कि हम लोगों को सनातन के बारे में पेरियार से पता चला।

एक कार्यक्रम के दौरान कमल हासन ने कहा कि एक बच्चे को बेवजह निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि उसे सनातन के बारे में सिर्फ बोल दिया। उसके पूर्वजों ने भी सनातन पर बोला है। पेरियार ने ही हमें सनातन के बारे में बताया था। कमल हासन ने कहा कि पेरियार एक समय मंदिर में पूजा किया करते थे और अपने माथे पर तिलक भी लगाते थे।

एक समय वाराणसी के एक मंदिर में रहते थे पेरियार

कमल हासन ने कहा कि पेरियार, एक समय वाराणसी के एक मंदिर में रहते थे और वहां पूजा-पाठ किया करते थे और अपने माथे पर तिलक लगाते थे। अंदाजा लगा सकते हैं कि उनके अंदर कितना गुस्सा था कि उन्होंने ये सब त्याग करके लोगों की सेवा के लिए काम किया। उन्हें अहसास हुआ कि लोगों की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। अपने जीवन के अंतिम समय में भी वह समाज के लिए जिए। उन्होंने कहा कि ना तो डीएमके ना ही कोई अन्य राजनीतिक पार्टी यह दावा कर सकती है कि पेरियार उनके हैं बल्कि पूरा तमिलनाडु, पेरियार को अपना मानता है।

भारतीय क्रिकेट टीम फिर विश्व में बनी नंबर-वन

» तीनों फॉर्मेट में टॉप पर पहुंच रचा इतिहास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में 5 विकेट की जीत के साथ भारतीय टीम ने विश्व क्रिकेट में अपनी बादशाहत हासिल कर ली है, भारतीय टीम अब टेस्ट, वनडे और टी-20 में नंबर वन टीम बन गई है। विश्व क्रिकेट के इतिहास में भारतीय टीम ऐसा कमाल करने वाली केवल दूसरी टीम बनी है। इससे पहले ऐसा कारनामा सिर्फ साउथ अफ्रीका ने किया था।

बता दें कि हाल के समय में भारत ने तीनों फॉर्मेट में कमाल का खेल दिखाया, जिसके कारण ही टीम इंडिया आईसीसी रैंकिंग में तीनों फॉर्मेट में पहले नंबर पर पहुंचने में सफल रही।

बता दें कि मोहाली में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत हासिल करने के साथ ही आईसीसी की वनडे रैंकिंग में भारतीय टीम के पास 116 पॉइंट्स हो गए, वहीं, भारत ने ऐसा कर पाकिस्तान को पीछे छोड़ दिया, पाकिस्तान के पास115 पॉइंट्स हैं। वनडे में नंबर वन रैंकिंग के अलावा भारतीय टीम टेस्ट में 118 रेटिंग पॉइंट्स के साथ नंबर वन की कुर्सी पर मौजूद है तो वहीं और टी20 प्रारूप में 264 रेटिंग पॉइंट्स भारत के पास है।

पहले वनडे में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराया

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे की बात की जाए तो ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी की थी और 50 ओवर में 276 रन बनाए। जिसके बाद भारतीय टीम ने 5 विकेट खोकर लक्ष्य को 49वें ओवर में हासिल कर लिया। भारत की ओर से गेंदबाजी में मोहम्मद शमी ने 5 विकेट लिए तो वहीं दूसरी ओर बल्लेबाजी में सूर्या ने 50 रन की पारी खेली तो वहीं केएल राहुल 58 रन बनाकर नाबाद रहे। शमी को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया। 3 मैचों की वनडे सीरीज में अब भारतीय टीम 1-0 से ऑस्ट्रेलिया से आगे है।

देश की जीवन शैली और संस्कृति में न्यायिक समाज की अहम भूमिका : मोदी

» अंतरराष्ट्रीय अधिवता समेलन में बोले- खतरे से निपटने का तरीका ग्लोबल होना चाहिए

» कानून को जनता की भाषा में लाने के लिए चीफ जस्टिस का धन्यवाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने अंतरराष्ट्रीय अधिवक्ता सम्मेलन में कहा कि किसी भी देश की जीवन शैली और संस्कृति में न्यायिक समाज की अहम भूमिका होती है। एक तरह से ये कॉन्फ्रेंस वसुधैव कुटुम्बकम की भारत की भावना का प्रतीक बन गई है, मैं यहां आए सभी अंतरराष्ट्रीय मेहमानों का भारत में बहुत बहुत स्वागत करता हूं,साथ ही पीएम मोदी ने कहा कि ये कॉन्फ्रेंस काफी मायने रखता है, क्योंकि जब खतरे ग्लोबल हैं, तो उनसे निपटने का तरीका भी ग्लोबल होना चाहिए।

पीएम मोदी ने कहा कि किसी भी देश की जीवन शैली और संस्कृति में न्यायिक समाज की अहम भूमिका होती है, भारत की आजादी के आंदोलन में भी कई बड़े वकीलों ने राष्ट्रीय आंदोलन में अपनी चलती वकालत छोड़ दी थी। अधिकतर बड़े स्वाधीनता सेनानी वकील थे, उन्होंने उस समय भी और आजादी के बाद भी न्यायिक पेशे से जुड़े वकीलों ने देश के विकास की नींव मजबूत की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मेरे पास काम भी बहुत है और समय भी बहुत है. कानून को जनता को भाषा तक लाने में 75 साल लग गए। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट और चीफ जस्टिस को बधाइयां, कानून को सरल बनाने के लिए इतना समय लगा तभी मुझे आना पड़ा।

पीएम पहुंचे वाराणी, दी करोड़ों की सौगात

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज वाराणसी में करोड़ों की सौगात वहां के लोगो को दी। उन्होंने गंजारी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास किया। इस मौके पर क्रिकेट की कई हस्तियां भी मौजूद रहीं। एयरपोर्ट पर सचिन तेंदुलकर को स्पॉट किया गया। वाराणसी एयरपोर्ट पर सचिन लाल कुर्ते में नजर आए। बताया जा रहा है कि रवि शास्त्री भी वाराणसी पहुंच गए हैं। सचिन तेंदुलकर और रवि शास्त्री एयरपोर्ट से काशी विश्वनाथ के लिए रवाना हुए और बाबा के दरबार में पूजा-पाठ की। बाबा के धाम में सचिन तेंदुलकर लाल कुर्ता, गले में फूलों की माला और गमछे में नजर आए। प्रशासन ने जो सूची तैयार की है, उसके मुताबिक गंजारी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के शिलान्यास समारोह में पीएम मोदी के मंच पर 18 लोग रहेंगे। इसमें क्रिकेट की हस्तियां भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बीसीसीआई के अध्यक्ष रोजर बिन्नी, सचिव जय शाह, उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला, सचिन तेंदुलकर, सुनील गावस्कर, रवि शास्त्री, कपिल देव, करसन घावरी, दिलीप वेंगसरकर, मदनलाल, गुडप्पा विश्वनाथ, यूपी के खेलमंत्री गिरीश चन्द्र यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या और विधायक त्रिभुवन राम मौजूद रहेंगे।

भारत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मध्यस्थता का केंद्र बना : डीवाई चंद्रचूड़

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने इस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि ये कॉन्फ्रेंस सीखने और सिखाने का बड़ा मंच है, दुनिया भर से जज, वकील और न्याय वेत्ता यहां हाजिर हैं, जस्टिस डिलीवरी के क्षेत्र में चुनौतियों पर चर्चा करने से काफी उत्साह वर्धक नतीजे आएंगे, भारत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मध्यस्थता का केंद्र बना हुआ है. सुप्रीम कोर्ट के विशेषज्ञों ने मॉरीशस और भूटान में सुप्रीम कोर्ट की इमारत बनाने ने मदद की। रिक्शा चलाने वालों के मुकदमे में फैसला अदभुत है, क्योंकि ऐसे मुकदमे न्याय और शक्ति में संतुलन बनाते हैं, सुप्रीम कोर्ट में संविधान पीठ एक मुकदमे की सुनवाई कर रही है, जिसमें लाखों ऐसे ड्राइवरों पर पड़ेगा, जिसमें बहस का विषय है कि क्या निजी ड्राइविंग लाइसेंस धारक कमर्शियल वाहन चला सकते हैं, इस मामले में अदालत और सरकार दोनों लाखों ड्राइवरों की आजीविका को बचाने की कोशिश कर रहे हैं।

गठबंधन को बचाने के लिए तमिलनाडु को दिया जा रहा पानी : सीटी रवि

» कावेरी जल विवाद- कर्नाटक में भाजपा का विरोध प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। भारतीय जनता पार्टी ने कावेरी नदी से तमिलनाडु के लिए पानी न छोड़ने की मांग को लेकर बेंगलुरु में विरोध प्रदर्शन किया। इस मुद्दे पर बोलते हुए, बीजेपी नेता सीटी रवि ने कांग्रेस पर कटाक्ष किया और कहा कि वह इंडिया गठबंधन को बचाने के लिए तमिलनाडु को पानी दे रही है। कर्नाटक के पूर्व सीएम और बीजेपी नेता बसवराज बोम्मई ने कहा कि हम राज्य के हित के खिलाफ पानी छोड़ने के लिए राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

कर्नाटक के मद्दूर में एक किसान समर्थक संगठन ने इस मुद्दे पर बाइक रैली निकालकर विरोध प्रदर्शन किया। कर्नाटक से तमिलनाडु के लिए कावेरी जल छोड़े जाने को लेकर किसानों और कन्नड़ समर्थक संगठनों के बंद के आह्वान के बाद कर्नाटक के मांड्या जिले में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। विरोध-प्रदर्शनों के मद्देनजर पुलिस ने पूरे कर्नाटक में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है।

कौशांबी में बड़ा हादसा

स्ट्रीट लाइट से भिड़ी ट्रक चालक सहित दो की मौत

» नोएडा से बनारस जा रही थी डीसीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कौशांबी। नोएडा से बनारस जा रही डीसीएम अनियंत्रित होकर हाइवे पर लगे स्ट्रीट लाइट पोल से भिड़ गई। जिससे चालक और परिचालक की मौत हो गई। एटा जनपद के निघौलीकला थाना के किशनपुर गांव का रहने वाला ध्यानपाल 59 साल पुत्र तलबीर सिंह डीसीएम चालक था। वह नोएडा से टावर का सामान लादकर बनारस जा रहा था।

शनिवार की सुबह पांच बजे वह सैनी थाना के गुलामीपुर हाइवे बैंक आफ बड़ौदा के पास पहुंचा था कि अनियंत्रित होकर डीसीएम हाइवे के बीच में लगे स्ट्रीट लाइट के पोल से भिड़ गई, इससे चालक व साथ में रहे गांव के परिचालक सुरजीत सिंह 23 साल पुत्र इंद्रपाल की मौके पर मौत हो गई।

सोनभद्र में छात्राओं से भरा टेंपो पलटा, कई घायल

दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के डूमरडीहा गांव में शनिवार की सुबह एक अनियंत्रित बाइक सवार को बचाने में छात्राओं से भरा टेंपो पलट गया। इसमें आधा दर्जन छात्राएं घायल हो गईं। सभी घायलों को ग्रामीणों ने सीएचसी में भर्ती कराया है। शनिवार को सुबह करीब आठ बजे राजकीय बालिका इंटर कालेज की करीब दर्जन भर छात्राओं को लेकर एक टेंपो गुलालझरिया भट्टी मोड़ से चला। चालक लालमन के मुताबिक डूमरडीहा गांव के समीप अचानक सामने से एक तेज रफ्तार बाइक सवार आ गया। उसे बचाने के चक्कर में वह टेंपो पलट गया।

गाजियाबाद में गिरा मकान, कई लोग दबे

गाजियाबाद। गाजियाबाद के लोनी कोतवाली क्षेत्र के रुपनगर इंडस्ट्रियल एरिया के पास एक मकान गिराने की खबर है। मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। मौके पर बचाव दल मौजूद है, बचाव कार्य जारी है। मलबे से एक शव को निकाला गया है और छह अन्य लोगों को बचाया गया है। जानकारी के मुताबिक, रूपनगर कॉलोनी स्थित एक डेढ़ मंजिला मकान गिर गया। मकान में कई लोग थे। आसपास के लोगों का कहना है कि इस मकान के अंदर आतिशबाजी और पटाखे बनाने का काम हो रहा था। धमाके के साथ मकान गिरा है। लोगों को निकालने का काम चल रहा है। पुलिस और दमकल विभाग मौके पर पहुंचा है। मलबे से अभी तक मैवीश (35) पति शकील, अल शिफा (9) पिता शकील, अलीशा (14) पिता शकील, शकील की एक बेटी 7 साल की, इमरान (16) पुत्र जावेद, सैयदा (30), एक अज्ञात महिला को बाहर निकाला जा चुका है।

नागपुर में बाढ़ जैसे हालात, बुलायी गई सेना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। नागपुर में शनिवार को अंबाझरी लेक ओवरफ्लो होने के कारण निचले इलाकों में पानी भर गया है। बाढ़ जैसे हालात हो गए अब तक 500 लोगों का रेस्क्यू कि किया गया। हालात इतने खकराब हो गए कि सेना को बुलाना पड़ा। नागपुर में शनिवार को सड़कों पर पानी भरने की वजह से कई बाजार बंद रहे। नागपुर के निचले इलाकों में पानी भरने से लोग घर छोड़ने को मजबूर हुए।

महाराष्ट्र के नागपुर में गुरुवार से लगातार बारिश हो रही है। शनिवार को यहां 4 घंटे में ही 4 इंच यानी 100 मिलीमीटर बारिश हो गई। अंबाझरी लेक ओवरफ्लो होने के कारण निचले इलाकों में पानी घुस गया है। इससे शहर में बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेन्द्र फडणवीस ने सोशल मीडिया पर बताया कि एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही हैं। अब तक करीब सैकड़ों लोगों का रेस्क्यू किया गया है। राहत बचाव के लिए सेना की दो यूनिट्स पहुंची है।

18 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

दिल्ली-एनसीआर में छाया घना अंधेरा

दिल्ली-एनसीआर में शनिवार को तेज हवा के साथ बारिश शुरू हो गई है। दिन में काले बादल छाने के चलते अंधेरा छा गया है। वाहन चालकों को लाइट जलाकर सड़कों से गुजरना पड़ रहा है। बारिश के चलते दिल्ली-एनसीआर में मौसम सुहावना हो गया है, इससे लोगों को उमस से राहत मिली है। इसके साथ ही नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद में भी बादल छाए हुए हैं और बारिश शुरू हो गई है। मौसम विभाग के अनुसार, ऐसा मौसम दिनभर बने रहने की संभावना है।

मणिपुर में इंटरनेट से पाबंदी हटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। बीते चार महीने से जातीय हिंसा प्रभावित मणिपुर में सरकार ने इंटरनेट पर लगी पाबंदी खत्म करने की घोषणा कर दी है। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने शनिवार (23 सितंबर) को प्रेस कांफ्रेंस कर इसकी घोषणा की. उन्होंने बताया कि हिंसा से संबंधित अफ़वाहों को फैलने से रोकने के लिए राज्य में इंटरनेट सेवा पर पाबंदी लगायी गई थी, जिसे आज से खत्म कर दिया गया है।

हालांकि उन्होंने राज्य में अफ़ीम की खेती करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखने का संकेत देते हुए कहा कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के साथ मिलकर निगरानी जारी रखेंगे। मणिपुर में 3 मई को हिंसा भड़की थी जिसके बाद से लोगों की मौत और टकराव की फर्जी सूचनाएं इंटरनेट के जरिए लगातार फैलायी जा रही थी. इस वजह से सरकार ने इंटरनेट सेवा पर पाबंदी लगा दी थी। सीएम बीरेन सिंह ने कहा, मैं राज्य लोगों को यह सूचना देना चाहता हूं कि आज से इंटरनेट पर लगी पाबंदी खत्म कर दी जाएगी।

आतंकी पन्नू के घर पर एनआईए की छापेमारी

चंडीगढ़। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने खालिस्तानी आतंकी और सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू पर बड़ी कार्रवाई की है। जांच एजेंसी ने पन्नू के चंडीगढ़ के सेक्टर 15 स्थित आवास पर छापेमारी की है। वहीं, उसके घर को सील कर दिया गया है। साथ ही एजेंसी ने पन्नू के घर की दीवार के बाहर संपत्ति जब्ती का नोटिस भी चिपकाया दिया है। कनाडा में बढ़ रही खालिस्तानी गतिविधियों के पीछे गुरपतवंत सिंह पन्नू का हाथ है। ये वही पन्नू है जो अक्सर सोशल मीडिया पर भारत विरोधी बातें करता है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।